भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 283 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 07 सितम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, एनडीए के बाद आरएमआईसी और आरएमएस में भी लड़कियों को मिलेगी एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि लड़कियों को न केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में बल्कि राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज िंघ्श्ण) और देश के पांच राष्ट्रीय सैन्य स्कूलों िंश्ए) में भी शामिल किया जाएगा। बता दें कि एनडीए की तरह आरआईएमसी और आरएमएस ऐसे संस्थान रहे हैं जहां पर केवल लड़कों को शामिल किया जाता रहा है और यह सशस्त बलों के लिए फीडर संस्थानों के रूप में कार्य करते हैं। बुधवार को अपना हलफनामा सौंपते हुए, केंद्र ने आवश्यक ढांचागत और तार्किक परिवर्तन लाने के बाद शैक्षणिक सत्र 2022-23 से आरआईएमसी और आरएमएस में लड़कियों को शामिल करने के अपने फैसले से अवगत

कराया। देहरादून में आरआईएमसी के लिए, हलफनामे में बताया गया है कि 11.5 से 13 वर्ष की आयु के लोग अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा पास करने के बाद संस्थान में शामिल होते हैं।

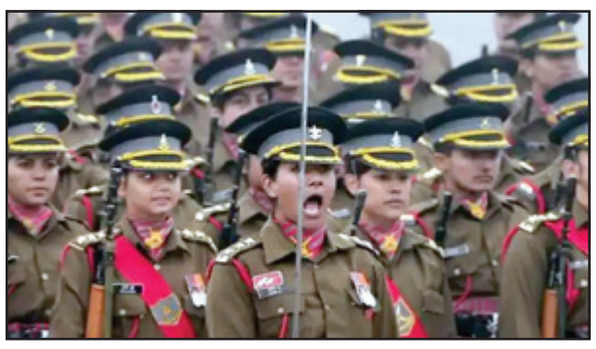

सरकार ने कहा कि वह जनवरी 2023 से हर छह महीने में 5 लड़कियों को शामिल करना शुरू कर देगी, इसके लिए लड़कियों को जून 2022 में प्रवेश परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी। केंद्र सरकार ने अपनी योजना के पहले चरण के बारे में बताते हुए कहा कि इसमें हर साल 20 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। यह वृद्धि कुछ बुनियादी ढांचों पर भी असर डालेगी।

सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि दूसरे चरण में आरआईएमसी की क्षमता बढ़ाकर कुल 350 की जाएगी, जिसमें 100 लड़कियां शामिल होंगी। लड़कियों को जून 2027 में जनवरी 2028 से शुरू होने वाले कार्यकाल के लिए आरआईएमसी में प्रवेश के लिए जून 2027 में निर्धारित प्रवेश परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी ... इस वृद्धि के लिए बड़े बुनियादी ढांचे के विस्तार और बढ़ी हुई संख्या के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। सरकार ने आगे कहा कि बालिका कैडेटों के लिए उपयुक्त चिकित्सा मानकों और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अलावा, गोपनीयता, सुरक्षा प्रदान करने के लिए व्यवस्था में कई अन्य संशोधन और पुनर्गठन करने होंगे। हलफनामे में कहा गया है कि अधिकारियों का एक बोर्ड सभी प्रासंगिक मुद्दों की जांच कर रहा है ताकि लड़कियों के अनुकूल बुनियादी ढांचे को बदला जा सके। बता दें कि जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एम एम सुंदरेश की पीठ गुरुवार को सरकार के हलफनामे की जांच करेगी। वकील कैलाश उधवराव मोरे की याचिका पर सुनवाई करते हुए 22 सितंबर को, पीठ ने सरकार से आरआईएमसी और आरएमएस में लड़कियों को शामिल करने के मुद्दे पर अपना पक्ष रखने को कहा था। जिन्होंने इन प्रमुख संस्थानों में महिला कैडेटों को अनुमति नहीं देने में लैंगिक भेदभाव और पूर्वाग्रह का मुद्दा उठाया था।

टीएमसी का राहुल गांधी पर तंज- पार्ट टाइम पॉलिटिशियन की तरह ट्विटर पर नहीं रहते, सड़कों पर उतरते हैं

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा है। दरअसल राहुल गांधी को जब लखीमपुर खीरी जाने की इजाजत नहीं मिली थी तब उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि उत्तर प्रदेश सरकार ने टीएमसी नेताओं को जिस तरह इस कांड के पीडि़त परिवारों से मिलने दिया वैसे ही कांग्रेस नेताओं को भी इजाजत दें। राहुल गांधी के इसी बयान पर अब तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार करते हुए तंज कसा है। टीएमसी के महासचिव और प्रवक्ता कुणाल घोष ने ट्वीट कर कहा, 'राहुल गांधी को लोगों को तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर लोगों को गुमराह नहीं करना चाहिए। टीएमसी किसी भी पार्ट टाइम पॉलिटिशियन की तरफ से गैर-राजनीतिक कमेंट को स्वीकार नहीं करेगी जो बीजेपी का सामना करने में नाकाम रही। हम कांग्रेस का सम्मान करते हैं। हम गैर भाजपाई एकता के

समर्थन में हैं। हम सड़क पर हैं सिर्फ ट्विटर में नहीं।' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के सांसद अब लंबी लड़ाई के बाद लखीमपुर खीरी में हैं। बता दें कि लखीमपुर खीरी में हुई घटना के बाद वहां भाजपा विरोधी दलों के नेता धीरे-धीरे पहुंच रहे हैं। टीएमसी के नेताओं के अलावा भीम आर्मी के सदस्य भी लखीमपुर खीरी गए थे। राहुल गांधी ने कहा ता कि योगी सरकार कांग्रेसी नेताओं को लखीमपुर खीरी जाने की इजाजत नहीं दे रही है। उनके इस बयान के बाद अब टीएमसी ने कांग्रेस को 'हारनेवाला' कह कर उसपर व्यंग्य बाण छोड़े हैं।

टीएमसी नेता कुणाल घोष के इस बयान के बाद अब बंगाल कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। बंगाल कांग्रेस के प्रवक्ता सौम्या रॉय ने कहा, 'देश की जनता इस बात की गवाह है कि किसानों ने कांग्रेस को खड़ा किया और इसके बाद यह भाजपा विरोधी चेहरा बनी। सच्चाई यह है कि टीएमसी नेताओं को आसानी से लखीमपुर खीरी जाने दिया गया।

लखीमपुर के किसानों का दर्द बांटेगी कांग्रेस, छत्तीसगढ़ और पंजाब सरकार ने किया यूपी से ज्यादा मदद का ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में केंद्रीय मंत्री की गाड़ी से कुचलकर मारे गए किसानों के परिवारों के लिए पंजाब और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने भी आर्थिक मदद का ऐलान किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चननी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों के साथ एकजुटता जाहिर करते हुए कहा कि मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने घटना की कवरेज के दौरान मारे गए पत्रकार के परिवार को भी 50-50 लाख रुपए देने की बात कही है। दोनों राज्य मारे गए किसानों और पत्रकार के परिवार को कुल 1 करोड़ रुपए की सहायता देंगे। योगी सरकार पहले ही 47-47 लाख रुपए और सरकारी नौकरी देने का ऐलान कर चुकी है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ लखीमपुर खीरी में पीडि़त परिवारों से मिलने के लिए

लखनऊ में लैंड करने के बाद चरणजीत सिंह चननी ने कहा, ''हम मारे किए किसानों के परिवारों के साथ हैं। पंजाब सरकार की ओर से मैं पत्रकार सहित मारे गए लोगों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देने का ऐलान करता हूं। चननी के साथ खड़े छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने भी किसानों के लिए आर्थिक मदद का ऐलान किया। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से मैं हिंसा में मारे गए किसानों और पत्रकार के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देने का ऐलान करता हूं।

गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया क्षेत्र में रविवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पैतृक गांव के दौरे के विरोध को लेकर भड़की हिंसा में चार किसानों समेत 8 लोगों की मौत हो गई थी। चार किसानों के अलावा तीन बीजेपी कार्यकर्ता और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के ड्राइवर की मौत हो गई थी।

लखीमपुर कांड का इस्तेमाल कांग्रेस की डूबती नैया बचाने के लिए कर रहे हैं राहुल गांधी : संबित पात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में हुई किसानों की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। आज कांग्रेस अध्यक्ष पीडि़त परिवार से मिलने के लिए जा रहे हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पर संवेदनशील मुद्दों पर भी गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। बीजेपी ने इसे 'कांग्रेस की डूबती नैया' को बचाने के लिए मौके की तरह इस्तेमाल की तरह देख रही है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''राहुल गांधी ने पुनः वही किया जो वह हर बार करते हैं। गैर जिम्मेदाराना रवैया... गैर जिम्मेदाराना रवैया राहुल गांधी का दूसरा नाम हो गया है। शांति भंग करना और भ्रम फैलाना यही राहुल गांधी का मुख्य उद्देश्य रह गया है।भाजपा की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी के लखीमपुर खीरी के लिए रवाना होने से पहले राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में किए गए

संवाददाता सम्मेलन के बाद आई। राजस्थान में धान की खरीदी के लिए कुछ किसान प्रशासन के सामने गए थे, उन पर लाठीचार्ज किया गया। राहुल गांधी ने लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा, प्रियंका गांधी वाद्रा को हिरासत में लिए जाने और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं को उत्तर प्रदेश में जाने से रोके जाने की पृष्ठभूमि में दावा किया कि भारत में लोकतंत्र हुआ करता था, लेकिन अब तानाशाही है। उन्होंने बताया कि वह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चननी के साथ लखीमपुर खीरी जाकर पीडि़त परिवारों से मिलने का प्रयास करेंगे।

भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि राहुल गांधी का किसानों, व्यापारियों या देश के किसी अन्य वर्ग से कोई लेना -देना नहीं है बल्कि उनका मकसद गांधी परिवार को बचाना है। उन्होंने कहा, ''गांधी परिवार का किसी से लेना-देना नहीं है। कांग्रेस से भी लेना देना नहीं है। उनका केवल अपने परिवार से ही लेना-देना है। परिवार की साख बची रहे। परिवार की नैया ना डूबे इसलिए गांधी परिवार लखीमपुर खीरी की घटना को मौके के रूप में देख रहा है। संबित पात्रा ने कहा कि देश में लोकतंत्र मौजूद है तभी राहुल गांधी संवाददाता सम्मेलन कर पा रहे हैं और भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ ''अनर्गल'' आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को उस समय लोकतंत्र क्यों नजर नहीं आता, जब उनकी ही पार्टी के नेता कपिल सिब्बल द्वारा सवाल उठाए जाने पर कांग्रेस के कार्यकर्ता उनके घरों में तोड़फोड़ करते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पर चयनात्मक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए पात्रा ने पूछा कि पिछले दिनों राजस्थान के हनुमानगढ़ में धान की खरीदी के लिए प्रदर्शन कर रहे किसानों पर हुए लाठी चार्ज में घायलों का हाल क्यों नहीं जाना। सरकार द्वारा किसानों पर ''संस्थागत हमले'' के राहुल गांधी के आरोपों के जवाब में भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद किसानों का ''संस्थागत विकास'' हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों पर आठ साल तक कुंडली मारे बैठे और उन्हें लागू नहीं करने वाले राजनीतिक दल यह सवाल उठा रहे हैं।

अखिलेश यादव का योगी सरकार पर बड़ा हमला, बोले- इन्होंने तो जुल्म ढाने में अंग्रेजों को भी पीछे छोड़ दिया

शाहजहांपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जुल्म ढाने में अंग्रेजों से भी आगे चली गई। बोले कि अंग्रेजों ने भी कभी आंदोलनकारियों को कार से नहीं कुचला होगा। उससे भी आगे जाकर भाजपा सरकार मे केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे ने शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों को कार से कुचल दिया। उसकी गिरफ्तारी भी नहीं की जा रही है। खीरी कांड के बाद भाजपा सरकार ने किलेबंदी ही कर दी। किसी को भी पीड़ित परिवारों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। अखिलेश यादव बुधवार को बंडा के नानकदेव गुरुद्वारा में संत बाबा सुखदेव सिंह महाराज की बरसी और खीरी कांड में मृत किसानों को श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने भाजपा की केंद्र और यूपी सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कहा कि यह पहली सरकार है, जिसके शासन में आईपीएस फरार है, पुलिस वाले मुख्यमंत्री के गोरखपुर जिले में व्यापारी की हत्या कर रहे हैं, खीरी में मंत्री का बेटा किसानों पर कार चढ़ा दे रहा है। ऐसी सरकारों पर कोई कैसे विश्वास करे। ऐसी सरकार को हटाना जरूरी है। अखिलेश ने मंच से सिख समुदाय से भावनात्मक रिश्ता जोड़ा। कहा कि पूरी दुनिया में इस भारत का नाम सिखों ने ही रोशन किया है। भारत की पहचान सिखों ने ही बनाई है। आज किसानों को कभी मवाली कहा जा रहा है, कभी आतंकवादी कहा जा रहा है। इतना अपमान किसानों का पहले कभी किसी सरकार ने नहीं किया।

अभिषेक बनर्जी की पत्नी ने खटखटाया दिल्ली एचसी का दरवाजा, कोयला तस्करी केस में पेशी से छूट की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की पतनी रुजीरा बनर्जी ने दिल्ली हाईकोर्ट में कोयला तस्करी के एक मामले में उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें 12 अक्टूबर को पेश होने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति योगेश खनन के समक्ष मामले की सुनवाई बुधवार को सूचीबद्ध की गई है। यह सुनवाई 8 अक्टूबर तक के लिए इसलिए स्थगित कर दी गई क्योंकि संबंधित पीठ बुधवार को इकट्ठा नहीं हुई थी। संबंधित पीठ इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दंपति को कई समन को चुनौती देने वाली याचिका की भी जांच कर रही है।याचिका में पटियाला हाउस जिला न्यायालय के मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा 18 सितंबर और 30 सितंबर के आदेश को रद्द करनने की मांग की गई है। कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी की पतनी की व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए सम्मन जारी किया गया था। याचिका में कहा गया है कि उसके खिलाफ ईडी की शिकायत झूठी, दुर्भावनापूर्ण और परेशान करने वाली होने के कारण अलग रखी जानी चाहिए। रिकॉर्ड का अवलोकन करने से पता चलता है कि ईडी द्वारा लगाए गए आरोप प्रतिशोध की भावना से प्रेरित है।

सीएम योगी का नया आदेश, 80 हजार और लोगों को मिलेगा फ्री में स्मार्ट फोन

लखनऊ (एजेंसी)। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ कही जाने वाली आशा बहनें अब स्मार्टफोन से लैस होंगी। योगी सरकार करीब 80 हजार आशा बहनों को स्मार्टफोन देने जा रही है। अक्टूबर के दूसरे पखवारे में लखनऊ में प्रदेशस्तरीय आशा सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी है, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आशा बहनों को स्मार्टफोन वितरित करेंगे। बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में आशा बहनों ने जिस तरह ग्राउंड जीरो पर रहते हुए काम किया, वह सराहनीय और प्रेरणास्पद है। ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात आशा बहुएं ग्रामीण इलाकों की गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच और बच्चों के टीकाकरण की जानकारी सहित स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके द्वारा उपलब्ध डेटा सरकार की नीतियों को तैयार करने का बड़ा आधार होते हैं। अभी आशा बहनों को डेटा की मैनुअल फीडिंग करने की व्यवस्था है, जो कि बेहद जटिल है। ऐसे में स्मार्टफोन से लैस कर इन्हें तकनीक से जोड़ा जाना आवश्यक है। इससे आशाओं को दैनिक कामकाज में सुविधा तो मिलेगी ही, कार्यप्रणाली में पारदर्शिता भी आएगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में 1,23,000 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन उपलब्ध कराया गया है। तकनीक से जुड़कर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का कामकाज सरल हुआ है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में आशा सम्मेलन आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं। तैयारी है कि अक्टूबर के दूसरे पखवारे में यह सम्मेलन आयोजित किया जाए।

लखीमपुर खीरी में राकेश टिकैत बोले-

हमारे पास सारे वीडियो मौजूद, मंत्री का इस्तीफा और बेटे की गिरफ्तारी से कम कुछ मंजूर नहीं

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी कांड के बाद से ही वहां में डेरा जमाए भाकियू के प्रवक्ता किसान नेता राकेश टिकैत बुधवार की दोपहर बाद शहर के गुरुद्वारा पहुंचे। यहां लंगर के बाद पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसानों को कुचल कर मार दिया गया। आरोपी केन्द्रीय मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी, मंत्री का इस्तीफा से कम कुछ मंजूर नहीं है।

सरकार को शहीद किसानों की अरदास तक दिया गया है। अगर गिरफ्तारी व इस्तीफा न हुआ तो अरदास के बाद पूरे देश में आन्दोलन तेज होगा। टिकैत ने यह भी ऐलान किया कि केन्द्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने होंगे और एमएसपी को कानून बनाना होगा। टिकैत ने कहा कि मारे गए तीन अन्य लोग भाजपा के कार्यकर्ता नहीं हैं। टिकैत ने घटना के दौरान गोली चलने का भी दावा किया और कहा कि इसके वीडियो मौजूद हैं। बुधवार की दोपहर में गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा में पत्रकार वार्ता के दौरान राकेश टिकैत ने कहा कि तिकुनिया में पांच किसानों को कुचलकर मारा गया। उन्होंने मारे गए पत्रकार रमन को भी किसान बताया। उन्होंने कहा कि उसका पेशा चाहे जो रहा हो पहले वह किसान है। यह भी दावा किया कि मौके पर गोली चली है। वीडियो में है। बहराइच के किसान का पोस्टमार्टम टिकैत ने कहा कि सरकार से जो समझौता हुआ उसमें शहीद किसानों के परिवार, संयुक्त किसान मोर्चा की सहमति से हुआ है।

कहा कि हमारा समझौता दाह संस्कार के लिए था। जिससे शव पर कोई राजनीति न होने पाए।

पैनल ने किया है। इसमें क्या आया, यह डाक्टरों की टीम बताएगी।

राकेश टिकैत ने बताया कि किसानों को कुचलकर मारने के आरोपी केन्द्रीय मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी, केन्द्रीय मंत्री के इस्तीफा का समय सरकार को शहीद किसानों की अरदास तक का दिया गया है। अगर गिरफ्तारी व केन्द्रीय मंत्री का इस्तीफा न हुआ तो अरदास के बाद देश व्यापी आन्दोलन शुरू किया जाएगा। राकेश एक सवाल के जवाब में राकेश टिकैत ने कहा कि मारे गए तीन अन्य लोग भाजपा के कार्यकर्ता नहीं हैं। वह किसानों को कुचलने वाले थे। राकेश टिकैत ने कहा कि जब तक तीन कृषि कानून वापस नहीं होंगे तब तक आन्दोलन चलता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि केन्द्रीय मंत्री खुद सफाई दे रहे हैं जो खुद 120बी के मुल्जिम हैं। उनकी सपोर्ट में कोई नहीं है।

खबर संक्षेप

पितरों के मोंक्ष के लिए लोगों नें किया पिंण्डदान

करछना। पित्र पंक्ष के समाप्ति के अवसर पर लोगों ने क्षेत्र के मनैया एवं डीहा गंगा घाटों पर पितरों की मोक्ष के लिए पिंडदान किया भारी संख्या में लोगों का गंगा तट पर हुजूम उमड़ा और पन्द्रह दिनों तक चलने वाला पृतपंक्ष बुधवार को समाप्त हो गया ।पृतविंसर्जन के दिन गंगा स्नान के बाद पिंडदान कर लोगों ने पितरों की विदाई की। पृत्र पंक्ष में लोगों ने गंगा स्नान कर अपने अपने पितरों एवं पूर्वजों के मोक्ष के लिए पिंडदान किया एवं गंगा स्नान के बाद दान कर ब्राह्मण भोज कराया । मान्यता है कि ऐसा करने से लोगों के पितर प्रसन्न होते हैं।

फरार चल रहे अभियुक्त को कुर्की का नोटिस जारी

करछना। थाना क्षेत्र के हिंदूपुर गांव निवासी राजेश हेला पुत्र बाबूलाल हेला को न्यायालय में चल रहे मुकदमे में हाजिर न होने पर कोर्ट द्वारा कुर्की की नोटिस जारी की गई है । राजेश हेला पिछले कई सालों से करछना थाने के एक मुकदमे में वांछित है और गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहा है न्यायालय द्वारा नोटिस की कार्रवाई की गई है जिसमें साठ दिनों तक हाजिर न होने पर राजेश हेला के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही की जाएगी।

पितृ विसर्जन : पितरों का श्राद्ध करने के लिए संगम तट पर उमड़े श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

संगम तट पर अपने पितरों का श्राद्ध करते श्रद्धालु

प्रयागराज। मोक्ष की कामना को लेकर संगम तट पर अपने पितरों को तर्पण करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संगम जाने वाले सभी रास्तों पर जाम की स्थिति बनी रही। सुबह से ही गंगा और यमुना सहित संगम तट पर लोगों ने पितरों का तर्पण किया। 15 दिनों से पितरों को तर्पण देने के बाद पितृ विसर्जन तिथि पर श्रद्धालुओं ने अपने पितरों का श्राद्ध कर उनके मोक्ष और परमगति की कामना की, संगम तट पर मेले जैसा दृश्य रहा। काला तिल, जौ का आटा, फूल, खोआ, मिष्ठान आदि से विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। खोआ और जौ के आटा से पिंडी बनाकर पितरों का तर्पण किया गया। इसके पूर्व घाटों पर ही लोगों ने क्षौर कर्म भी कराया। इसके बाद तर्पण कर संगम में डुबकी लगाई। पूजा अर्चना के बाद लेटे हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन के लिए भी लंबी कतार देखी गई। संगम तट पर दूर-दूर से श्रद्धालु तर्पण के लिए पहुंचे। प्रयागराज के अलावा प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, भदोही, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा सहित कई जनपदों से लोग पहुंचे। प्रयागराज जंक्शन के अलावा छिवकी, दारागंज और रामबाग स्टेशन पर भी काफी भीड़ देखी गई। इसके अलावा सिविल लाइंस रोडवेज, लीडर रोड और जीरो रोड बस स्टेशन पर भी भारी भीड़ देखी गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने निजी वाहन और बस से भी संगम पर पहुंचे। तीर्थ पुरोहितों ने विधि विधान के साथ तर्पण कराया।

संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें : डॉक्टर अमित

सहसों। वर्तमान समय में संक्रमण का प्रभाव ज्यादा हो रहा है। जिसके कारण बच्चों से लेकर वयस्क तक में बुखार, सर्दी, जुकाम सहित अन्य बीमारी तेजी से अपना पांव पसार रही है । उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखें तो किसी भी संक्रमण से बचा जा सकता है। स्वच्छता ही सभी बीमारियों की सबसे बड़ी दवा है। उच्च विचार सहसों बाईपास स्थित हरि ओम हॉस्पिटल में एक संगोष्ठी के दौरान डॉ अमित यादव ने कहा। उन्होंने कहा वर्तमान समय में डेंगू का प्रकोप ज्यादा दिखाई दे रहा है। जिसके लिए गड्ढे में जमा पानी को फेंक दे। आसपास गड्ढों में भरे पानी में फिनायल का छिड़काव करें। इसके साथ-साथ घर में बनी नालियां तथा आसपास घास फूस की सफाई प्रतिदिन करें। उन्होंने कहा किसी भी खाने वाली वस्तु से पूर्व अपने हाथों की अच्छी से सफाई जरूर करें। उन्होंने कहा नवरात्रि के पूर्व वैसे भी सभी घरों में कलश स्थापना के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त यदि कोई भी बच्चा या व्यक्ति किसी भी संक्रमण से पीड़ित है तो तत्काल आसपास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अतिरिक्त अच्छे चिकित्सक से परामर्श लेकर ही इलाज कराएं।

न्यूज झरोखा

सरकार के साढे चार वर्ष की उपलब्धियों को जिलाध्यक्ष पहुचां रहे घर-घर

घूरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष यमुनापार विभव नाथ भारती ने जिला पदाधिकारी राजमणि पासवान, दिलीप कुमार चतुवेर्दी,राम कुमार शर्मा आदि के संग घूरपुर क्षेत्र के बूथ संख्या 323,325,326,327, पंवरी बूथ,पवर बूथ, बारी बजरिहा बूथ आदि बूथो पर प्रदेश सरकार साढे.चार वर्ष के उपलब्धियो की पत्रक को घर-घर-जन-जन तक पहचाकर अपने व गावं क्षेत्र के विकास के लिए पुनः कमल पर मुहर लगाकर भाजपा सरकार बनाने की अपील की। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष मुन्नालाल पाल,बूथ अध्यक्ष सुरेश चतुवेर्दी,बूथ अध्यक्ष मंगला प्रसाद बिन्द,बूथ अध्यक्ष दिलीप कुमार बिन्द,राम पाल सिंह आदि रहे।

परशुराम-लक्ष्मण संवाद देखकर भावविभोर हुए जंघई निवासी

जंघई। श्री रामजानकी मंदिर जंघई में चल रहे 18 दिवसीय ऐतिहासिक रामलीला के 7 वें दिन रामलीला में धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद और सीता स्वयंवर की लीला का मंचन किया गया। इस दौरान लक्ष्मण परशुराम संवाद ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। रामलीला मंचन में सीता स्वयंवर, शिव धनुष तोड़ने, लक्ष्मण परशुराम संवाद, राम विवाह की लीला का मनोहारी मंचन किया गया। राजा जनक के दरबार में सीता स्वयंवर का दृश्य दिखाया। श्री राम शिव धनुष को तोड़ते हैं शिव धनुष के टूटते ही जहां जयश्रीराम के उद्घोष से पंडाल गूंज उठा। वहीं जानकारी मिलने पर परशुराम की गर्जना से रामलीला मैदान में सन्नाटा पसर गया। परशुराम-लक्ष्मण संवाद काफी सराहा गया।रामलीला मंदिर के महंत चंद्रमादास महराज के नेतृत्व में डायरेक्टर शीतला प्रसाद पाठक और कोषाध्यक्ष राजू सिंह के संचालन में निरंतर चल रहा है।पात्रों में विश्वामित्र - लोलारख यादव, परशुराम - सुदंरलाल पांडेय, बाणासुर- विक्की जायसवाल, राम- शैलेष पाठक, जनक- चंद्रशेखर तिवारी, सीता- अंबुज, लक्ष्मण - अभिषेक पांडेय के अलावा आचार्य संदीप पांडेय, सभाजीत पांडेय, शारदा पाठक, पुलथी यादव, गग्गू यादव, अमित पाठक, शिवम मालवीय, मनीष जायसवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

10वीं की छात्रा निमिशा शर्मा को हिंदी में विशेष प्रदर्शन पर मिला सम्मान

प्रयागराज। एसएमसी घूरपुर की छात्रा निमिशा शर्मा को हिंदी में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य और मधुबन एजुकेशनल बुक ने सम्मानित किया है। छात्रा को मिले इस सम्मान पर स्कूल प्रबंधन ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर एसएमसी स्कूल घूरपुर, की 10वीं की छात्रा निमिशा शर्मा को आज सम्मानित किया गया। हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता के उपरांत मधुबन एजुकेशनल बुक ने छात्रा निमिशा का हौसला बढ़ाया है। आज एसएमसी स्कूल के प्रधानाचार्य आशीष रंजन, मधुबन एजुकेशन बुक की तरफ से शेखर श्रीवास्तव और हिन्दी के अध्यापक अनुराग पांडेय द्वारा संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य आशीष रंजन ने कहा कि निमिशा की लगन और मेहनत का परिणाम हम सभी के सामने है।इससे अन्य छात्र-छात्राएं भी हिंदी के प्रति प्रोत्साहित होंगे।

गीता ज्ञान अकेडमी में छात्रों को किया गया सम्मानित

कोरांव। गीता ज्ञान अकादमी में दो अक्टूबर को निबंध तथा कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसका परिणाम आज दिन मंगलवार को घोषित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य सोमदत सिंह पटेल जिला सचिव एवम प्रभारी कोरांव विधान सभा समाजवादी पार्टी उपस्थित होकर प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाए छात्रों को पुरस्कृत करते हुए उपस्थित विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं का हौसला अफजाई किया इस मौके पर सपा नेता ने कहा की बच्चे देश का भविष्य है आने वाले दिनों में विभिन्न क्षेत्रों में अपने माता पिता और देश का नाम रोशन करने का कार्य करेंगे।निबंध प्रतियोगिता में प्रथम काजल सिंह द्वितीय छाया तिवारी तृतीय रिया सिंह कला प्रतियोगिता में प्रथम प्रियांशु सिंह द्वितीय काजल सिंह तृतीय यशी मिश्र रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम काजल छाया प्रीति सिंह द्वितीय अंचल सिंह आंशिक तिवारी रिया तृतीय प्रांशी ने प्राप्त किया। उक्त मौके पर मुख्य रूप से प्रबंध समिति के सदस्य श्री जयशंकर मिश्र, प्रधानाचार्य श्री गिरीश चंद्र मिश्र, श्यामलाल जैसवाल तथा विद्यालय के सभी शिक्षक और बच्चे उपस्थित रहे।

नवरात्रि : क्षेत्र के मंदिरों में तैयारी के साथ हुई भव्य सजावट

अखंड भारत संदेश

बाजार में दुकानों पर पूजन की सामग्री खरीदे भक्त।

सहसों। नवरात्रि के इस पावन नौ दिनों के लिए क्षेत्र के दुर्गा मंदिरों में नवरात्रि की पूजा अर्चना के लिए बुधवार को मंदिरों के पुजारी द्वारा साफ सफाई के साथ तैयारी एवं भव्य सजावट की गई। तत्पश्चात विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे गुब्बारों सहित अलंकृत फूल पत्तियों से मंदिर सज धज गई। इस वर्ष नौ दिन तक चलने वाले नवरात्रि के लिए पुजारी, सहित अन्य भक्त भी श्रद्धा एवं पूजा अर्चना मंदिरों के अतिरिक्त अपने-अपने घरों में कलश स्थापित कर मां की दिन-रात आराधना करते हैं। मां की स्तुति से जगत का कल्याण के साथ सुख समृद्धि की प्राप्ति हेतु लोग फलाहार के अतिरिक्त बड़ी श्रद्धा से सुबह एवं सायंकाल आरती कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। क्षेत्र के सहसों स्थित दुर्गा मंदिर, रामनाथ पट्टी स्थित दुर्गा मंदिर, मसुरियन माता मंदिर चकिया, दुर्गा मंदिर ललचहां सहित आसपास के मंदिरों एवं माता चौराहा पर पुजारी एवं ग्रामीण भक्तों द्वारा दिन रात पूजा अर्चना करेंगे। इस संबंध में पुजारी शीतला प्रसाद पांडे व्यास जी एवं पंडित दिनेश चन्द्र शास्त्री ने बताया कि नवरात्रि की पूर्व संध्या पर मां के दरबार एवं मूर्तियों को अच्छे ढंग से साफ सफाई की गई। तत्पश्चात मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पुजारी ने बताया कि इस बार माता रानी डोली पर सवार होकर भक्तों के घर विराजमान होंगी। जो भक्त श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पूजन अर्चन करेंगे उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। नवरात्रि की पूर्व संध्या पर सहसों, चिरौरा, रामनगर बाजार सहित अन्य छोटे-मोटे बाजारों में लोगों ने नवरात्रि की पूजा पाठ करने के लिए उचित आवश्यकतानुसार सामग्री की खरीदारी करने के लिए देर रात तक चुनरी नारियल सहित अन्य पूजा सामग्री खरीदते रहे।

मूर्तिकारो को महंगाई के चलते नहीं मिल पा रही सही कीमत

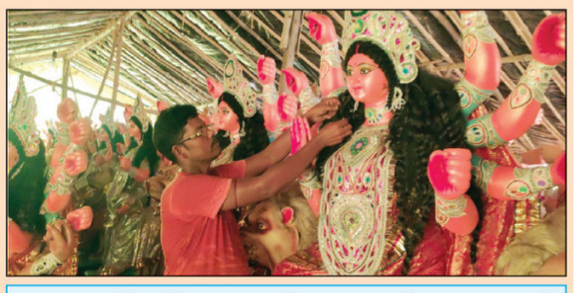

मेजा रोड। पितृपक्ष समाप्त होने में 2 दिन शेष हैं। उसके बाद शारदीय नवरात्र शुरू हो जाएगा। नवरात्र पर्व की तैयारियों में लोग जुट गए हैं शारदीय नवरात्र पर होने वाली दुर्गा पूजा के लिए मूर्ति कार मूर्तियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। कोलकाता से पहुंचे मूर्तिकार मंगल पाल का कहना है कि कोरोनावायरस के चलते मूर्तियों की सही कीमत उन्हें नहीं मिल पा रही पिछले 15 वर्षों से वो सोरांव गांव में मूर्ति बनाने आ रहे हैं?। हर बार वह 240 मूर्तियों का निर्माण करते थे लेकिन इस बार 170 मूर्तियां उनके द्वारा बनाई गई है लेकिन उनका कहना है कि जितनी लागत उनके द्वारा मूर्तियों में लगाई गई है उतनी कीमत उन्हें नहीं मिल पा रहा। देखा जाए तो ग्रामीण क्षेत्र में जहां जगह-जगह पर मूर्तियां स्थापित की जाती थी कोरोना वायरस के बाद महंगाई के चलते कम स्थानों पर मूर्तिया स्थापित की जा रही हैं जिससे मूर्तियों की बिक्री भी कम हो गई है। मूर्तिकार मंगल पाल ने कहा कि उनके साथ 10 लोग मूर्तियों को बनाने में उनका सहयोग करते हैं। लेकिन मूर्तियों की सही कीमत न मिलने के चलते मूर्ति कारों को तनख्वाह देने में दिक्कते हो रही है। जो कीमत हम लोगों को मूर्तियों को बनाने का मिलना चाहिए वह नहीं मिल पा रहा जिसके चलते आजीविका चलाना मुश्किल हो रहा है।

पंडालों में स्थापित हुई मां दुर्गा

लालापुर। नवरात्रि के पहले दिन लालापुर थाना क्षेत्र के प्रतापपुर, पंडुवा, डेराबारी, सेमरी, नौड़िया तरहार, लालापुर, अश्वनीपुर , अमिलिया, ओढगी तरहार, गौधार, चिल्ला, सुजौना, नगरवार, मानपुर, पंचवर आदि गांवो में पंडाल लगाकर मां दुर्गा को अस्थापित कर विधि विधान से पूजा अर्चना किया जा रहा है।कोरोना को देखते हुए कोविड का पालन करते हुए गांवो में दिन भर मानो भक्ति रस होगा। डेराबारी के आशीष मिश्रा, जगतराज सिंह, अश्वनीपुर के शिवेन्द्र पांडेय, सन्तोष मिश्र, लालापुर के आशीष शुक्ला, सतीश शुक्ला, प्रधान शंकरलाल पाण्डेय ने बताया कि एक सप्ताह तक लगातार पंडालों में शेरावाली माता का भव्य पूजन अर्चन किया जायेगा। साथ ही प्रतिदिन भजन कीर्तन भी होगा ।प्रधान शंकरलाल पाण्डेय ने बताया कि कोविट का पालन करते हुए एक सप्ताह तक लगातार पंडालों में शेरावाली माता का भव्य पूजन अर्चन किया जाये गा। साथ ही प्रतिदिन भजन कीर्तन भी होगा।

नवरात्र कलश स्थापन मुहूर्त : आचार्य धीरज द्विवेदी

प्रतापपुर। 7 अक्टूबर दिन - गुरुवार को सायं - 03:35 मि. तक प्रतिपदा तिथि प्राप्त है जो कि एक दिन पूर्व अर्थात बुधवार को सायंकाल से ही प्रारंभ होगी। गुरुवार को प्रातः ब्रह्म मुहुर्त से लेकर सायं - 03:35 मिनट तक में किसी भी समय कलश स्थापन करना शुभदायी रहेगा ।अभिजित मुहूर्त में कलश स्थापन करने वाले दिन में - 11:37 से 12:32 तक कर सकेंगे।

होलिका दहन भूमि पर कब्जे की शिकायत पर पहुंचे एसडीएम व सीओ

अतिक्रमण कारियों को तत्काल कब्जा हटाने का दिया निर्देश

अखंड भारत संदेस

होलिका दहन की भूमि पर कब्जा हटवाने पहुचे अधिकारी

करछना। होलिका दहन की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर दो पक्षों में विवाद की स्थिति को देखते हुए एस डी एम करछना और सीओ करछना पचदेवरा गांव पहुंचे जहां पर रामसुचित भारतीया और देवनारायण भारतीया के बीच काफी दिनों से होलिका दहन की जमीन पर अवैध कब्जा करने को लेकर काफी दिनों से विवाद चला आ रहा है कल पीस कमेटी की बैठक में सीओ करछना के समक्ष मन्दिर के सामने पेशाब करने और होलिका दहन की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर बात सामने आई जिसके बाद सीओ करछना राजेश कुमार यादव और एस डी एम करछना विनोद कुमार पांडेय मौके की हकीकत देखने पहुंचे जहां पर दोनों पक्षों ने अवैध कब्जा किया हुआ था जिसके बाद दोनों लोगों को फटकार लगाते हुए अवैध कब्जे को तत्काल हटाने को कहा गया जिसके बाद एस डी एम करछना और सीओ करछना बसही गांव में दो दिन चोरी की घटना को लेकर बसही गांव पहुंचे जिसकी जानकारी रामलीला कमेटी और ग्रामीणों से चोरी की घटना की जानकारी ली गई।

सांसद के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराने वाली पीड़िता के आत्मदाह मामले में एक इंस्पेक्टर पर भी गिरेगी गाज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट परिसर के बाहर आत्मदाह करने वाली दुष्कर्म पीड़िता के मामले में लापरवाही पर शहर के एक थाने के इंस्पेक्टर पर भी गाज गिरेगी। पीड़िता की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे की विवेचना में लापरवाही पर इंस्पेक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू हो गई है। जल्द ही इंस्पेक्टर को हटाने का आदेश भी जारी किया जा सकता है।घोसी सांसद अतुल राय पर दुष्कर्म का केस दर्ज कराने वाली पीड़िता ने इसी साल 16 अगस्त को अपने साथी के साथ सुप्रीम कोर्ट परिसर के बाहर आत्मदाह कर लिया था। गंभीर हाल में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई थी। आत्मदाह से पहले दोनों ने फेसबुक पर लाइव आकर तमाम पुलिस अफसरों पर गंभीर आरोप लगाए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन की ओर से एसआईटी गठित कर जांच कराई गई। एसआईटी की ओर से जांच रिपोर्ट में कुछ पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को दोषी बताया गया। पुख्ता सूत्रों का कहना है कि इस रिपोर्ट में पीड़िता की ओर से प्रयागराज के एक थाने में दर्ज कराए गए मामले की विवेचना में लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। जिसके बाद थाने के मौजूदा इंस्पेक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करा दी गई है। सूत्रों का कहना है कि जल्द ही उक्त इंस्पेक्टर को हटाने का आदेश भी जारी किया जा सकता है। इसके बाद मामले में उसका बयान आदि दर्ज करने की कार्रवाई होगी। जवाब संतोषजनक न रहा तो निलंबन भी किया जा सकता है।

तीन अन्य इंस्पेक्टर, एक एसओ भी जांच के घेरे में

सूत्रों का कहना है कि मौजूदा इंस्पेक्टर के साथ ही इस मामले में तीन अन्य इंस्पेक्टर और एक एसओ भी जांच के घेरे में हैं। तीनों इंस्पेक्टर पूर्व में संबधित थाने में बतौर प्रभारी तैनात रह चुके हैं जिनमें से एक मौजूदा समय में भी एक थाने का प्रभारी है। इसके अलावा एक दरोगा की भूमिका भी जांच के दायरे में है जो मौजूदा समय में ग्रामीण थाने में बतौर थानाध्यक्ष तैनात है। आरोप है कि संवेदनशील मामला होने के बावजूद उपरोक्त पुलिसकर्मियों ने विवेचना को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई।

नवरात्रि में बेटियों के सम्मान एवं समान अवसर का संकल्प लें समाज : अलका विश्वकर्मा

अखंड भारत संदेश

विश्व शिक्षक दिवस पर कमला स्मारक इं.का. में प्रधानाचार्य श्रीमती अलका विश्वकर्मा सम्बोधित करतीं

जसरा। शिक्षक समाज का वह महत्वपूर्ण स्तम्भ होता जिनसे देश का सम्पूर्ण विकास टिका होता हैं साथ ही शिक्षक समाज के वह अनमोल रत्न भी होते हैं जिनकी कीमत अमूल्य होती हैं इसलिए समाज के सभी लोगों का नैतिक कर्तव्य बनता हैं गुरुजनों का सदैव सम्मान करें इसके साथ उनके बताये मार्ग का अनुसरण करके जीवन को उपलब्धियों एवम सुख समृद्धि से भरने का सकारात्मक प्रयत्न करें उक्त बातें मंगलवार को विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर कमला स्मारक इंटर कालेज मे आयोजित प्रतिभा सम्मान के दौरान संस्थान की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका विश्वकर्मा अपने सम्बोधन के दौरान व्यक्त की उक्त अवसर पर उन्होंने उपस्थित अभिवावक एवम शिक्षकों से नवरात्रि मे बेटियों को गोद लेकर उनके शिक्षा के प्रबंध पर मजबूत संकल्प लेने के लिए प्रेरित करते हुए बेटियों को ही देश का मुख्य आधार बताते हुए उन्होंने बेटी बचाओं एवम बेटी पढ़ाओं के नारे को बुलंद करने व धरातल पर लागू करने की भी अपील किया गया साथ ही नवरात्रि पर बेटियों को समाज मे समान भागीदारी एवम अवसर प्रदान करने की वकालत भी प्रधानाचार्या श्री अलका विश्वकर्मा के द्वारा किया गया । इस दौरान शिक्षक, छात्र-छात्राओं सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

प्रयागराज और रीवां सांसद द्वारा आज होगा चंदपुर-शंकरगढ़ रोड का शिलान्यास

शंकरगढ़। मध्य प्रदेश शासन द्वारा चंदपुर, शंकरगढ़ प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में सीसी रोड का शिलान्यास सात अक्टूबर को किया जाएगा। दूसरे पहर दो बजे होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम में प्रयागराज सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी, रींवा सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक त्योंथर श्यामलाल द्विवेदी और बारा विधायक डा. अजय कुमार, जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारतीय भाग लेंगे। यह जानकारी देते हुए कार्यदायी संस्था एम पी आर डी सी, लिमिटेड ने सभी पार्टी पदाधिकारियों और कार्य कताओं से शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।यह सड़क मेसर्स राम राजा कंस्ट्रक्शन कम्पनी, पृथ्वीपुर ज़िला निवाडी एमपी द्वारा बनाई जाएगी।

कोरोना को लेकर आम जन जागरूकता अभी भी जरूरी : अनय

लेखन, पेंटिंग, गीत में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा,खुशी,आंचल, नितिन, सामद को मिला पहला स्थान, राजा कमलाकर इंटर कालेज में हुई प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अनय प्रताप सिंह बोलते हुए तथा प्रतियोगिता में छात्र एवं छात्राएं हुए पुरस्कृत

शंकरगढ़। विकास पथ सेवा संस्थान के बैनर तले बुधवार को राजा कमलाकर इंटर कालेज के सभागार में कोविड महामारी, स्वच्छता विषयक कविता, गीत, कहानी, लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, डीएसटी के सौजन्य से आयोजित प्रतियोगिता में कालेज 50 बच्चों ने सहभागिता की। 25-25 के बैच में आयोजित प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने कोविड महामारी से संबंधित पेंटिंग बनाई, जिसमें कक्षा बारह की छात्रा खुशी यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग में कक्षा नौ की आंचल पटेल, कक्षा दस की आकृति गुप्ता ने दूसरे स्थान और काजल सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। गीत में कक्षा दस के नितिन त्रिपाठी ने प्रथम, कविता में कक्षा दस के सामद तनवीर प्रथम, कक्षा बारह के सत्यम सिंह एवं कक्षा आठ की मांशी त्रिपाठी ने दूसरा स्थान पाया। इसके अलावा कक्षा आठ के अनुज पांडेय तीसरे स्थान पर रहे। संस्थान की तरफ से सभी विषयों में प्रथम आने वाले बच्चों को प्रतीक चिन्ह व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान विषय विशेषज्ञ डा. प्रभाकर सिंह ने कहा कि हम सभी को अपने बच्चों की आदतों में बदलाव लाने की जरूरत है, जिससे हम संक्रमण से बच सकें और दूसरों को भी बचा सकें। कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को हमे, अपने आसपास फटकने भी नहीं देना है। बताया कि बच्चों को सर्वोच्च कविता, गीत, कहानी और पेंटिंग को संकलित कर उन्हे लघु पुस्तिका में प्रकाशित किया जाएगा। अंत में प्रधानाचार्य डा. अनय प्रताप सिंह ने संस्थान के प्रयासों की सराहना की। कहा कि इस प्रतियोगिता से छात्र-छात्राओं में कोरोना के प्रति जागरुकता बढ़ी है। अब यही बच्चे घर जाकर आसपास के लोगों को जागरुक करेंगे। इस मौके पर विषय विशेषज्ञ आदित्य कुमार मिश्र, शीतल सिंह, प्रगति केसरवानी, लवलेश सिंह, शिखा सिंह, सज्जन कुमार सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

शांति भंग में दो अभियुक्तों का हुआ चालान

मेजा रोड। थाना मांडा पुलिस द्वारा शांति भंग के अन्देशा पर 02 अभियुक्तो विशेश्वर नाथ व पवन कुमार को गिरफ्तार कर 151,107,116 सीआरपीसी की कार्यवाही की गयी। मेजा रोड पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देशन व एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित व सीओ मेजा डॉक्टर भीम कुमार गौतम निर्देश के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक थाना मांडा अवन कुमार दीक्षित के कुशल नेतृत्व में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामकेव यादव ने शांति भंग के अन्देशा में अभियुक्त 1, विशेश्वर नाथ पुत्र स्व0 लालाराम निवासी सिकरा थाना मांडा जनपद प्रयागराज उम्र लगभग 40 वर्ष 2,पवन कुमार पुत्र रमाकांत निवासी सिकरा थाना मांडा जनपद प्रयागराज उम्र 19 वर्ष को को गिरफ्तार कर धारा 151,107,116 सीआरपीसी की कार्यवाही कर न्यायालय उपजिलामजिस्ट्रेट मेजा के यहां भेजा।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई 37 बिंदुओं पर विकास कार्यों की समीक्षा

परियोजनाओं को ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश, कार्यों में लापरवाही या शिथिलता किसी भी स्तर पर क्षम्य नहीं

अखंड भारत संदेश

संगम सभागार में बैठक करते मुख्य विकास अधिकारी व अन्य

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों से परियोजनाओं में आज तक की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए परियोजनाओं में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान देने के लिए सभी कार्यदायी संस्थाओं के नोडल तथा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने नहरों में सिल्ट सफाई के कार्य को ससमय पूर्ण करते हुए नहरों में टेल तक पानी पहुंचायें जाने के निर्देश दिये है। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को खाद्य, बीज आदि की उपलब्धता बनी रहें। डी0सी0 एनआर0एलएम0 को निर्देशित किया कि समूहों के गठन के कार्यों में प्रगति दिखायी देनी चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी ने तलाबों के आवंटन के कार्यों में रूचि न लेने के कारण सहायक निदेशक मत्स्य से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में कन्या सुमंगला योजना, कौशल विकास कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी से विद्यालयों के निरीक्षण के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (गोल्डेन कार्ड), दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस की समीक्षा की। उन्होंने कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर आरएनएन के अधिशाषी अभियंता को प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में उन्होंने सेतु निगम और गंगा प्रदूषण के कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये है साथ ही साथ समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने 50 लाख रुपए से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए आवास विकास परिषद द्वारा राजकीय इण्टर कालेज, कोरांव का कार्य पूरा हो जाने पर अभी तक हैण्डओवर न किये जाने पर नाराजगी जताते हुए हैण्ड ओवर की कार्रवाई जल्द से जल्द पूरी करने के लिए कहा है। सिडकों द्वारा राजकीय युनानी मेडिकल कालेज का निर्माण कार्य के बारे में जानकारी ली गयी, जिसमें उन्हें बताया गया कि निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जनरेटर लगाने का कार्य शेष है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जायेगा। बायो वेस्ट मैनेजमेंट के कार्य का थर्ड पार्टी से जांच कराने पर कमी पाये जाने पर उन्होंने कमियों को जल्द से जल्द दूर कराकर कार्य को पूरा कराने के लिए कहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं से कहा कि जो कार्य पूरे हो गये है, उनकी थर्ड पार्टी से जांच कराकर हैण्ड ओवर की कार्यवाही पूरी करा ली जाये। कांटी में बनाये जा रहे पशु चिकित्सालय के निर्माण कार्य में विलम्ब होने पर नाराजगी जताते हुए कार्य को नवम्बर माह तक पूरा कराये जाने के लिए निर्देशित किया है साथ ही कहा कि जो कार्यदायी संस्था समय से कार्य को पूर्ण नहीं करा पायेगी, उन्हें ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जायेगा। आईटीआई नैनी में कराये जा रहे निर्माण कार्य को तेज गति से पूरा कराये जाने के लिए कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नानक सरन, पीडीडीआरडीए श्री के0के0 सिंह, डीडीओ श्री ए0के0 मौर्या, डीसी मनरेगा श्री कपिल कुमार, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

भाजयुमो अध्यक्ष रोहित पांडेय द्वारा वृद्धा आश्रम में उपमुख्यमंत्री के पिता की मनाई गई पुण्यतिथि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पिता स्वर्गीय श्यामलाल मौर्य की तृतीय पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष रोहित पांडे उर्फ पप्पू पांडे द्वारा फाफामऊ वृद्धा आश्रम में वृद्ध महिलाओं को खाद्य सामग्री और फल वितरण किया और कहा कि समय-समय पर हम अपने साथियों के साथ यहां पर आते रहेंगे यहां माताओं के साथ बिताए हुए समय में जो खुशी और अपनेपन की अनुभूति हुई वह शब्दों में बयां नहीं कर सकता इस अवसर पर सभी ने पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की इस मौके पर अध्यक्ष रोहित पांडे के साथ आकाश चौरसिया विंकल यश कौशल सौरव मेहता विक्रांत शुक्ला शशांक शुक्ला अमित मिश्रा मनोज पांडे नितेश सिंह विकास मिश्रा रामपाल यादव सौरव मिश्रा सहित कई सम्मानित साथी साथ में उपस्थित रहे ।

डॉ.देव नारायण पाठक को मिला "संस्कृति रत्न सम्मान

प्रयागराज। सूरीनाम हिन्दी परिषद द्वारा नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय प्रयागराज के ज्योतिष ,कर्मकाण्ड, वास्तुशास्त्र एवं संस्कृत विभाग के सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ.देव नारायण पाठक को प्रचीन भारतीय संस्कृति के उन्नयन एवं सम्वर्द्धन हेतु "संस्कृति रत्न" सम्मान प्रदान किया गया। डॉ.पाठक की पहचान उनके सृजनात्मकता लेखन और रचनात्मक अभिव्यक्ति से भारतीय संस्कृति एवं भाषा को राष्ट्रिय एवं अन्ताराष्ट्रिय स्तर पर समृद्ध करने की है।डॉ.पाठक ने संस्कृति एवं संस्कृत भाषा के प्रति अपनी पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता से समाज में एक उच्च मानक स्थापित किया है। डॉ.पाठक ने बताया कि यह सम्मान उन लोगों को प्रदान किया जाता है,जिनका समाज में शैक्षणिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, प्रशासन के साथ-साथ अपनी संस्कृति के क्षेत्र में विशिष्ट अवदान रहता है। सूरीनाम हिन्दी संस्थान के अध्यक्ष सत्य नन्द प्रमुख एवं सचिव सूरीनाम हिन्दी परिषद किशन फिरतु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए डॉ.पाठक ने कहा कि यह सम्मान उन्हें अपने दायित्वों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

लाभार्थियों को मिली डिजिटल आवास की चाभी एवं वर्चुअल संवाद कार्यक्रम मनाया गया

सिरसा। प्रयागराज विधानसभा मेजा क्षेत्र नगर पंचायत भारतगंज परिसर में आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के दौरान मंगलवार को आवास लाभार्थियों को डिजिटल आवास की चाभी वितरण एवं वर्चुअल संवाद कार्यक्रम मनाया गया. प्रातः दस बजे से एक बजे तक इस कार्यक्रम में सैकड़ों लाभार्थियों के साथ वार्ड सभासद मौजूद रहे. इस अवसर पर ईओ स्वतंत्र प्रताप सिंह, जितेंद्र केशरी, अवधेश केशरी, लियाकत अली, जावेद, ओम प्रकाश, चमन, हरी शंकर, अब्दुल हक अंसारी, असरार अहमद, केके जायसवाल, सहित नगर पंचायत व डूडा के कर्मचारी मौजूद रहे और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा किसी जाति धर्म की नहीं विचार धारा की पार्टी : रामानंद

घूरपुर। भाजपा किसी जाति धर्म की पार्टी नहीं विचार धारा की पार्टी है। जो पंडित दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार कर समाज के पिछड़े पंक्ति में खड़े आमजन को लाभान्वित कर रही है। उक्त बातें भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा यमुनापार के कोहड़ार मंडल के कार्य समित की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला प्रभारी रामानंद पाल ने कही। इस बीच उन्होंने मिशन 2022 के कई टिप्स भी दिए। विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने कहा कि प्रत्येक भाजपा के कार्यकर्ता पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों के घर घर जाकर उनकी समस्याओं को निदान कराते हुए सरकार की योजनाओ से जोड़ उन्हें लाभ दिलाए। जिला मंत्री व ज़िला संयोजक संजय पाल ने मंडल पदाधिकारियो व सदस्यों को दी गई जिम्मेदारी को बताते हुए तत्काल युद्ध स्तर पर लग जाने का निर्देश दिए। अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष राधिका पाल ने मंडल कार्य समित प्रस्ताव रखा जिस पर सभी ने तालियां बजाकर समर्थन किया। बैठक शुरू करने से पहले पंडित दीन दयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रजज्वलित कर आरंभ किया। इस बीच क्षेत्रीय कबड्डी का भी फीता काट शुभारम्भ किया गया।बैठक में मंडल प्रभारी शिवम सिंह, मोहन लाल, विनोद पाल, शिव लखन, उमाशंकर त्रिपाठी, शिव बदन शुक्ल,सरदार कुशवाहा, दयाराम निषाद, सचिन कुशवाहा, गोविंद आदि ने बैठक को सम्बोधित किया।

दबंगों ने स्टेट बैंक मैनेजर के चेंबर में घुसकर पीटा सीसीटीवी कैमरे में कैद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। स्टेट बैंक आफ इंडिया की मम्फोर्डगंज शाखा में पांच अक्टूबर को जमकर बवाल हुआ। कुछ युवकों ने मैनेजर के कमरे में घुसकर उनसे मारपीट की। जब बैंककर्मियों और ग्राहकों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, हमलावर युवकों ने उन्हें भी मारा पीटा। एक युवक को नामजद करते हुए 7-8 अन्य साथियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। एसबीआई की मम्फोर्डगंज शाखा में प्रबंधक ऋषभ मनोचा पांच अक्टूबर को अपने चैंबर में बैठे काम कर रहे थे। उसी समय ऋषि भारती और उसके साथ 7-8 लड़के चैंबर में घुसे और मनोचा के साथ गाली गलौज करते हुए कहने लगे कि इस बैंक का पासबुक प्रिंटर प्रतिदिन खराब रहता है। मनोचा ने गाली देने से मना किया तो युवकों ने जान से मारने की धमकी दी और मारपीट शुरू कर दी। उनका शर्ट फाड़ दिया गया। उन्हें घसीटकर बाहर ले जाया गया और सिर पर पत्थर मार दिया गया।

यह देख बैंक के कर्मचारी राजीव गुप्ता, ऋषभ जायसवाल समेत अन्य ग्राहक उन्हें बचाने दौड़े तो उनके साथ भी मारपीट की गई। राजीव और ऋषभ जायसवाल को काफी चोटें आईं। जाते जाते उन लोगों ने धमकी दी कि कल बैंक खोलोगे तो आग लगा देंगे। इसके बाद तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकार्ड हो गई थी। कर्नलगंज थाने में ऋषि समेत अन्य लड़कों के खिलाफ सात धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि उनकी खोज की जा रही है।

सजीव प्रसारण कार्यक्रम सिरसा में सम्पन्न

मेजा रोड। सजीव प्रसारण कार्यक्रम शिव गंगा वाटिका सिरसा में संपन्न हुआ। नगर पंचायत सिरसा श्याम कृष्ण पप्पू यादव ने बताया है कि मा0 प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना संजीव लाइव प्रसारण शिव गंगा वाटिका सिरसा में किया गया। प्रधानमंत्री के अमृत मिशन के अंतर्गत विभिन्न शहरों में उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा निर्मित पेयजल एवं सीवरेज की कुल 4, 737 करोड़ की 75 विकास परियोजना लोकार्पण शिलान्यास व प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। जिसमें उपस्थित अधिशासी अधिकारी सत्येन्द्र प्रकाश ,सभासद विनय यादव, अंकित केसरी, मंजेश सेठ ,प्रकाश वर्मा ,व कर्मचारी इस्ताक अली, अमित कुमार पटेल, राहुल कुमार , आदर्श मिश्रा , रमाशंकर पटेल ,विपूल यादव, आदि रहे।

सड़क सुरक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश लेकर साइकिल से निकले विंग कमांडर संतोष दुबे

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। जोरहट (आसाम) से सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश लेकर साइकिल से प्रयागराज के लिए निकले (46) वर्षीय विंग कमांडर संतोष दुबे। अलग-अलग प्रांतों में होते हुए यात्रा कर प्रदूषण मुक्त और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से रास्ते में यातायात नियमों के पालन का संदेश देते हुए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। मूलतः मिजार्पुर जिले के कुरकुठिया गांव के ब्राह्मण परिवार में जन्मे पिता राज दुलार दुबे (रिटायर्ड डिप्टी मैनेजर हिंडाल्को) तथा माता कमला दुबे (गृहणी) की दो भाईयों और दो बहनों की संतानों में सबसे बड़े थे। शिक्षा दीक्षा मिजार्पुर से प्राप्त किया। 19 वर्ष की आयु में इनकी पहली पोस्टिंग सैनिक पद पर मद्रास में हुई थी। सीडियस कंपटीशन पास करते हुए अधिकारी रैंक पर काबिज हुए। वायुसेना में विंग कमांडर पद पर संतोष दुबे अभी तक आसाम के जोरहट में तैनात रहे। जोरहट से इनकी पोस्टिंग प्रयागराज हो गयी। इसी क्रम में वे साइकिल से सड़क सुरक्षा व स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश लेकर निकले है। 1540 किलोमीटर की उनकी यह सबसे लंबी यात्रा है। तीन सौ से चार सौ किलोमीटर की लम्बी साइकिल यात्रा वे कई बार कर चुके हैं। इनका इतने लंबे साइकिल के सफर का उद्देश्य यातायात नियमों का पालन करते हुए स्वास्थ्य को स्वस्थ रखना ही मुख्य उद्देश्य है। संतोष का कहना है कि हर व्यक्ति को सप्ताह में 2 दिन साइकिल का उपयोग आफिस, घर या अन्य काम के लिए करे तो इससे स्वास्थ्य ठीक रहेगा, वायु व ध्वनि प्रदूषण नहीं होगा साथ ही दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। इसी जागरूकता संदेश को लेकर वह 2 अक्टूबर को जोरहट से निकले हैं। लगभग एक सप्ताह का सफर तय करने के बाद वह 9 अक्टूबर को प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उनके इस साहस को देखकर क्षेत्रीय लोगों में हर्ष व्याप्त है। इनकी अगवानी रामचंद्र शुक्ल ट्रस्ट के तत्वाधान में जय शंकर शुक्ला निवासी ग्राम दिघिया व प्रेमचंद शुक्ला मुन्नन पूर्व ब्लॉक प्रमुख मेजा के द्वारा किया जाएगा। तदुपरांत जय शंकर शुक्ला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जांबाज लोगों का स्वागत करना हम सब का परम कर्तव्य व दायित्व बनता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली भ्रष्ट्राचार की चढ़ी भेंट

अखंड भारत संदेश

कार्यवाही के बजाय उचित दर विक्रेताओं को बचाया जाता है

पकड़ा गया खद्यांन थाने से तहसील अधिकारियों ने छोड़ा,तरह तरह की चचाएं, कोल्सरा एवं अल्हवा ग्राम पंचायत के कोटेदारों का मामला

कोरांव। खोदा पहाड़ निकली चूहिया की कहावत कोरांव तहसील में चरितार्थ हो रही। बता दें कि कोरांव के ग्राम अल्हवा का कोटेदार खाद्यान्न 5 अक्टूबर को रात में काला बाजारी करते समय ग्रामीणों ने पकड़ा था। और अफसरों को सूचित कर पुलिस को मह वाहन खाद्यान्न सहित सुपुर्द कर दिया था। जिसकी सूचना ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी,अपर जिलाधिकारी खाद्य एवम नागरिक आपूर्ति प्रयागराज,आदि को तत्काल दी। किंतु रात में कोटेदार को आपूर्ति अफसरों ने अपने बचाव तथा कोटेदार को बचाने के लिए खाद्यान्न को बेची गई बोरियों को गोदाम में मेंटेन करवा दिया। वैसे भी कोटेदारों का कहना है कि माहवारी तहसील अधिकारियों आदि को देना होता है। दलालों और अफसरों ने थाने पर ड्राइवर से कहलवा कर बयान लिखवा लिया की कोटेदार के घर से नहीं बल्कि कोटेदार के भतीजे के यहां से खाद्यान्न लदा है। जबकि जनता,प्रधान,पुलिस के सामने ड्राइवर ने बयान लिया कि कोटेदार के घर से खाद्यान्न लादा है। जांच में गए अधिकारियों की टीम ने कोटेदार के परिवार एवम आस पास के लोगों का बयान प्राप्त किया की खाद्यान्न कोटेदार के घर से लदा। और जनता एकत्रित देख लेबर और कोटेदार भाग निकला। उसकी तमाम कमियों को ग्रामीणों ने बयान लिया। और योजना की तर्ज पर गोदाम का निरीक्षण मात्र खाना पूरी करने के लिए जा कर किया। दूसरे दिन पता चला कि कोटेदार को कार्रवाई के बजाय उसे क्लीन चिट दे दी गई। इससे ग्रामीणों में कार्ड धारकों में तहसील अधिकारियों के प्रति गहरा आकरोस है। इसकी शिकायत ग्रामीण जिला धिकारी से जा कर करेंगें। और किसी निस्पक्छ जांच एजेंसी से कराने की मांग करेंगे। और मुख्यमंत्री से भी ग्रामीण जनता दर्शन में जा कर भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करेंगे। चर्चा है कि जिन जिन गांवों के कोटेदारों द्वारा सरकार की मंशा के विपरीत खाद्यान्न का वितरण मनमानी तरह से होता है शिकायत पर तहसील के अधिकारी शिकायत कताओं को धमका कर सुविधा शुल्क लेकर क्लीन चिट दे देते हैं। कार्यवाही न होने से उचित दर विक्रेताओं के हौसले बुलंद हैं। ग्राम प्रधानों का आरोप है कि कई गांवों में खाद्यान्न की हेराफेरी मनमानी की शिकायत जिस भी प्रधान ने किया एस डी एम से या आपूर्ति अधिकारियों से तो उल्टा उन्हे ही तरह तरह की धमकियां मिली। अंततोगत्वा कालाबाजारी करने वाले कोटेदारों को जांच में मुंह मांगी रकम ले कर छोड़ दिया जाता है। अल्हवा ग्राम के लोगों ने बताया कि जब वाहन खाद्यान्न सहित पकड़ा गया तो 24 घंटे का समय कोटेदार को जान बुझ कर दे दिया गया। जिससे वह अपनी कमी पूरी कर सके। और ऐसा किया भी गया। इस प्रकरण को ले कर पूरे इलाके में क्लीन चिट देने वालों के प्रति तरह तरह की चचाएं हो रही हैं। फिलहाल यह मामला जांच अधिकारियों की जांच पे आए प्रश्न चिन्ह लगते ही किसी दूसरी जांच एजेंसी से जांच कार्यवाही की मांग की गई है। आवश्यकता पड़ी तो उच्च न्यायालय तक दरवाजा खटखटाया जायेगा। इसी प्रकार कोल सरा के ग्राम प्रधान ने भी अपने गांव के कोटेदार को तहसील अफसरों द्वारा अनियमितता पाए जाने पर भी बचाए जाने का आरोप आरोपित किया है। इस संबंध में आगामी दस अक्टूबर को ग्राम प्रधान संगठन कोरांव ने प्रधानों की एक बैठक आहूत की है। और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लेकर भ्रष्ट कोटेदारों को प्रधानों द्वारा शिकायतों के बावजूद तहसील अधिकारियों द्वारा सुविधा शुल्क लेकर क्लीन चिट दिए जाने पर नाराजगी जताई है। प्रधान संघ अध्यक्ष रामानुज यादव ने दस अक्टूबर की बैठक में निर्णय लेने के बाद जिलाधिकारी से प्रधानों का एक दल मिलेगा। और उसके बाद ही मुख्यमंत्री से लखनऊ जा कर एक मांग पत्र देगा। जिससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर एक्शन लिया जा सके।

खेत में मिला सुरक्षा कर्मी का शव, परिजनों में कोहराम

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के मनईया गांव के समीप एक खेत में एक सुरक्षाकर्मी का शव बुधवार को मिलने में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में ले लिया। वहीं मृतक के परिजनों में कोहराम मचा रहा। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के मनईया गांव निवासी इंदजीत उर्फ झल्लर (55) मुंबई में सुरक्षाकर्मी के पद पर तैनात था। बीते लाक डाउन के दौरान वह अपने मूल निवास आया हुआ था। परिजनों के मुताबिक वह बीमारी से ग्रसित था और आए दिन उसे चक्कर आदि के दौरे पड़ते थे। बुधवार को वह घर से निकला और उसका शव गांव के समीप एक खेत में मिला। बताया जाता है कि उसके मुंह से खून का रिसाव हो रहा था। पुलिस के मुताबिक आशंका जताई जा रही है कि बीमारी के चलते उसकी मौत हुई है। वहीं परिजनों के आग्रह पर पुलिस ने शव का पंचनामा न करते हुए शव को उनके सुपुर्द कर दिए। वहीं ग्रामीणों के बीच कई तरह की चचाएं व्याप्त रही।

गंगा नदी किनारे पर श्रद्धालुओं ने पितरों को श्रद्धा अर्पित की

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। उरुवा ब्लाक के अंतर्गत सिरसा छतवा कोठरी गंगा घाट पर लोगों ने पितरों को श्रद्धा अर्पित की। गंगा तट पर सैकड़ों तीर्थ पुरोहितों ने देश के कोने-कोने से आए हजारों लोगों द्वारा तर्पण और पिंडदान कराया। तर्पण और पिंडदान के बाद तीर्थ पुरोहितों को भोजन प्रसाद कराने के साथ दान दक्षिणा भी दिया गया। पिंडदान से पहले लोगों ने मुंडन कराने के बाद गंगा में डुबकी लगाई।

बुधवार को गंगा किनारे सबेरे से ही देश के कोने-कोने से हजारों तीर्थयात्रियों का आना शुरू हो गया था। सर्वपितृ श्राद्ध या पितृ विसर्जन के मौके पर पितरों के तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म के लिए जुटी भीड़ के कारण तीर्थ पुरोहितों की भी चांदी रही। पितृ विसर्जन के लिए भारी भीड़ उमड़ने के कारण तीर्थ पुरोहितों ने परिवारजनों के लिए बैठने से श्राद्ध कर्म तक के लिए विशेष इंतजाम किया था। एक तरफ संगम किनारे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी थी वहीं शहर के अनेक इलाकों में घर के निकट पीपल के वृक्ष के नीचे भी पुरखों के लिए पिंडदान, तर्पण के साथ श्राद्धकर्म किया। श्राद्धकर्म के मुताबिक तीन पिंडाश निकालकर कौआ, गाय और कुत्ते को भी खिलाया गया। माना जाता है कौओ के साथ ही पितरों की श्रृंखला पूरी होती है। संगम किनारे कई लोगों ने भंडारे का भी आयोजन किया था। संगम तट पर पितृ विसर्जन अमावस्या पर मुंडन के लिए लोगों को भारी जमावड़ा रहा, दाढ़ी-बाल कटवाने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग नाई के दुकानों पर अपनी बारी के इंतजार में दिखे।

सड़क हादसे में गायक सोनू छलिया की मौत

अखंड भारत संदेश

गायक सोनू छलिया की (फाइल फोटो)

घटना के बाद सड़क पर लोगों की भारी भीड़

उतरांव। उतरांव थाना अंतर्गत चतुर्भुजपुर मैं सड़क के किनारे स्थित पुलिया में टक्कर लगने से सोनू की दर्दनाक मौत हो गई वही युवक की मौत से परिजनो में कोहराम मच गया भगत पुरवां थाना उतरांव निवासी शिव शंकर यादव जो किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। मंगलवार की रात शिव शंकर का बेटा सोनू यादव जो रात में चकिया ज्वालापुर में नाटक में गाना गाकर लौट रहा था। की लगभग रात 12:00 बजे करीब घर के लिए लौट रहा था जैसे ही अपनी अपाचे बाइक से आ रहा था चतुर्भुज पुलिया के पास पहुंचा ही था कि तेज रफ्तार अपाचे बाइक मोड होने से अनियंत्रित होकर पुलिया मे जा भिड़ी। वही पुलिया से भिड़ंत होने पर सोनू यादव के सिर में गंभीर चौथे आए हैं और मौके पर ही मौत हो गई रात में आते जाते राहगीरों ने देखना तो परिजन को सूचना दिया सूचना पाकर मौके पर घर के लोग पहुंचे तो यह दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए और घर के लोग चीख चीखकर रोने लगे सोनू यादव अपने पिता का एकलौता बेटा था। एक बहन अपने भाई की लाश देखकर चीख चीख कर रोने लगी मृतक सोनू यादव की मौत से माता-पिता और बहन का रो रो के बुरा हाल है।

नैनी में फिर मिला नवजात का शव

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के कांशीराम कॉलोनी के समीप एक अस्पताल के पीछे एक नवजात का शव मिलने से लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और कई तरह की चचाएं लोगों के बीच व्याप्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के जिस स्थान पर नवजात का शव बरामद किया गया है। इससे पूर्व बीते कुछ वर्षों के दौरान तीन बार उसके आसपास शव को बरामद किया जा चुका है। हर बार पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज देती है, लेकिन आगे की कार्रवाई करना भूल जाती है। सूत्रों पर यदि यकीन करें और लोगों की चर्चा पर गौर करें तो आस-पास स्थापित एक अस्पताल में गैरकानूनी रूप से अबॉर्शन का काम संचालित किया जाता है। संबंधित विभागीय कानूनी कार्रवाई न होने से बीते कुछ वर्षों के दौरान नवजात शिशु का शव मिलने का सिलसिला अभी भी यहां पर जारी है।

बाजारों में दुकानदार सिक्के लेने से इनकार कर रहे हैं

सिरसा। प्रयागराज एक दो रुपये के सिक्के लेने से दुकानदार मना कर देते हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। मांडा क्षेत्र के मांडा खास, भारतगंज कस्बा, राजापुर, नहवाई, चिलबिला, सुरवांदलापुर, हाटा आदि बाजारों में दुकानदार एक व दो के सिक्के लेने इंकार कर रहे हैं. दुकानदारों का कहना है स्थानीय बैंक या बड़े व्यवसायी सिक्के नहीं लेते, तो ऐसी दशा में हम लोग सिक्के लेकर क्या करेंगे । बाजारों में केवल अखबारों के एजेंट ही एक दो के सिक्के मजबूरी में लेते हैं। मामले में जब पुलिस विभाग के एक उच्चाधिकारी और एडीएम प्रशासन विजय शंकर दुबे से वार्ता की गई, तो उन्होंने कहा कि जो दुकानदार या बैंक एक दो के सिक्के न लेते हों, उनके खिलाफ हलफनामे के साथ शिकायत करें, ऐसे लोगों को मुद्रा अवमानना अधिनियम के मुकदमे में निरुद्ध कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत सभी पात्र लाभार्थियों का किया जाए चयनः डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सोशल सेक्टर की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में सोशल सेक्टर की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पेंशन, छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन छात्रों को गत वर्ष छात्रवृत्ति दी गयी थी यदि इस वर्ष छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों छात्रों की संख्या कम है और अन्तर अधिक है तो तो ऐसी विद्यालयों की विद्यालयवार व कक्षावार सूची मुख्य विकास अधिकारी को उपलब्ध करायी जाये और विद्यालय के प्रधानाचार्यो के साथ बैठक कर ली जाये कि किन कारणों से पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या कम है और अन्तर अधिक है। हर पात्र छात्र/छात्रा को छात्रवृत्ति दी जाये। अल्पसंख्यक विभाग की समीक्षा में जिला अल्पसंख्यक अधिकारी द्वारा बताया गया कि पोर्टल पर 5175 संस्थाओं के नोडल अधिकारी का आधार प्रमाणन किया जाना है किन्तु अभी तक मात्र 467 नोडल अधिकारी का प्रमाणन किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि विद्यालयों का आधार प्रमाणन कराने के लिये सभी विकास खण्डों में ब्लाक संसाधन केन्द्र और खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कैम्प लगाये। जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी विद्यालयों के नोडल अधिकारी को निर्देश दिया जाये कि आधार प्रमाणन करायें। इसी तरह शादी अनुदान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत सोशल सेक्टर के सभी अधिकारी को निर्देशित किया कि इच्छुक पात्र व्यक्तियों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जाये जिससे उनको योजना का लाभ प्राप्त हो सके तथा अपात्र लाभाथिच्यों की संस्तुति करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जाये। उन्होने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों को इस योजना के अन्तर्गत क्षेत्र के इच्छुक लाभाथिच्यों के चयन की कार्यवाही से अवगत कराया जाये। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जतायी और प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि योजना के अन्तर्गत सम्बन्धित अधिकारी को लक्ष्य का आवंटन कराकर साप्ताहिक समीक्षा कर मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रभाष कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानन्द, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सच्चिदानन्द, जिला प्रोबेशन अधिकारी रन बहादुर वर्मा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ज्योति द्विवेदी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

रामलीला समित की सभी तैयारियां पूर्ण, शिव विवाह आज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रामलीला समिति प्रतापगढ़ की बैठक समिति के अध्यक्ष श्याम शंकर सिंह की अध्यक्षता में संपनन हुई। बैठक में गुरुवार से शुरु हो रहे रामलीला के कार्यक्रम की समीक्षा की गई। समिति के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए और सभी कार्य कोविड-19 का पालन करते हुए सभी राम भक्तों से अनुरोध किया। गुरुवार को शिव बारात में रामलीला समिति की पहली शोभायात्रा से शुभारंभ की जाएगी। ओवर ब्रिज की जो सड़कें खराब है उसको ठीक कराने के लिए जिलाधिकारी ने विभाग को निर्देशित किया। रामलीला समिति के संयोजक दिनेश कुमार दिनू ने कहा कि शिव विवाह का कार्यक्रम चिलबिला में संपनन कराया जाएगा। अध्यक्ष श्याम शंकर सिंह ने सभी पदाधिकारियों को सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संजय खंडेलवाल, मंत्री विपिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, सुरेश अग्रवाल, छेदीलाल, प्रदीप केसरवानी, धर्मेंद्र चौरसिया, रविंद्र कुमार, अनिल केसरवानी, संतोष कुमार आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक जनपद एक उत्पाद योजना का 25 अक्टूबर तक करें आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र दिनेश कुमार चौरसिया ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अन्तर्गत बेरोजगार एवं हाईस्कूल उत्तीर्ण युवक/युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु (उद्योग हेतु अधिकतम रूपये 25 लाख एवं सेवा क्षेत्र में 10 लाख तक) ऋण बैंकों के माध्यम से प्रेषित किया जा सकता है जिसमें 25 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जायेगा। आवेदन किये जाने हेतु हाईस्कूल मार्कशीट, आधार कार्ड, फोटो, निवास प्रमाण पत्र, शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा। आवेदक की आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। इसी क्रम में एक जनपद एक उत्पाद (ओ0डी0ओ0पी0) वित्त पोषण योजनान्तर्गत जिसमें शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं है तथा आयु कम से कम 18 वर्ष पूर्ण हो। इसमें 150 लाख से अधिक तक के ऋण ऑवला उत्पाद हेतु प्राप्त किये जा सकते है तथा 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक अधिकतम 20 लाख तक अनुदान भी का प्रावधान है। इन दोनों योजनाओं हेतु आवेदन पत्र दिनांक 25 अक्टूबर 2021 तक किये जा सकेत हैं।

सई नदी में तैरती मिली दो लाशें, पुलिस कर रही छानबीन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली क्षेत्र के सुखपाल नगर स्थित पाँचों सिद्ध मंदिर के पास सई नदी में दो लाशें तैरती मिलने से सनसनी फैल गई। इस दौरान मछली मार रहे युवकों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची सिटी चौकी, कोतवाली पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर छानबीन कर रही है।

कुसुवापुर नव दुर्गा पूजा कमेटी गठित

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवयुवक दुर्गा पूजा कमेटी कुसुवापुर बाजार कमेटी का गठन बुधवार को किया गया जिसमें सर्वसम्मति के अनुसार रितेश केशरवानी अध्यक्ष, सतीश जायसवाल उपाध्यक्ष, अंकुर केसरवानी कोषाध्यक्ष, त्रिभुवन केसरवानी व्यस्थापक चुने गए। इस अवसर पर देवी प्रसाद केसरवानी, अवध नारायण जायसवाल, मिश्रीलाल केसरवानी, दीपक गुप्ता, घनश्याम अग्रहरि, मुकेश केसरवानी, अनिल गुप्ता, मुकेश जायसवाल आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में मुक्कू ओझा घायल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनसत्ता लोकतांत्रिक दल के वरिष्ठ नेता व विधान परिषद सदस्य कुंवर अक्षय प्रताप सिंह गोपाल के मीडिया प्रभारी मुक्तेश्वरनाथ ओझा उर्फ मूक्कू ओझा मंगलवार को बलीपुर के पास एक बाइक की टक्कर में घायल हो गये। इस दुर्घटना में मुक्कू ओझा को काफी चोटें आई है और उनके दाहिने पैर की हड्डी टूट गई है। शहर के एक निजी नर्सिंग होम में उनका इलाज चल रहा है। बुधवार को उनसे मिलने वालों की भीड़ उमड़ी रही। गुरुवार की सुबह उनके पैर की सर्जरी की जाएगी।

अंतू क्षेत्र में बरामद हुआ 60 लाख का अवैध गांजा, दो गिरफ्तार

उड़ीसा से पंजाब ले जाया जा रहा था अवैध गांजा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के अंतू थाना क्षेत्र के पश्चिम गांव के पास बुधवार को 60 लाख रुपये कीमत की 3 कुंतल 30 किलो ग्राम अवैध गांजा व एक डीसीएम ट्रक पुलिस ने बरामद किया है। एक तेल केमोफ्लाक्स की आड़ में यह गांजा उड़ीसा से पंजाब लेकर जा रहे थे जिन्हें अंतू पुलिस व स्वाट टीम ने पंजाब ले जा रही डीसीएम को पकड़ लिया जिसमें से 60 लाख कीमत का यह गांजा बरामद हुआ है।

यह जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने आज पत्रकारों को बताया कि इस सम्बन्ध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है जो पंजाब के रहने वाले हैं। इनसे पूछताछ में गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क की जानकारी भी मिली है। प्रयागराज के आईजी कवीन्द्र प्रताप सिंह ने पुलिस पार्टी को 50 हजार का इनाम दिया है।

पुलिस टीम को आईजी ने किया 50 हजार से पुरस्कृत

घटना के बारे में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह गांजा उड़ीसा से पंजाब ले जाया जा रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर सीओ सिटी अभय कुमार पाण्डेय, एसओ अंतू अर्जुन सिंह, स्वाट टीम प्रभारी अमरनाथ राय, सर्विलांस टीम प्रभारी सुनील कुमार यादव किठावर चौकी प्रभारी एहसानुल हक की टीम ने घेराबंदी करके डीसीएम को रोक लिया। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने 60 लाख का अवैध गांजा और डीसीएम को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्यवाही कर रही है। पुलिस इसे एक बड़ी कामयाबी मान रही है। पुलिस अधीक्षक का मानना है कि इसमें और भी गिरफ्तारी हो सकती है। पुलिस टीम को इसके लिये आवश्यक निर्देश दिये गये है।

महिला विरोधी है कि केन्द्र व प्रदेश सरकारः लीलावती

महिला कार्यकर्ता जागरुकता अभियान में शामिल हुई महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर महिला कार्यकर्ता जागरूकता अभियान समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष लीलावती कुशवाहा पूर्व विधान परिषद सदस्य की मौजूदगी में सम्पनन हुआ। तत्पश्चात् प्रेसवार्ता भी हुई।

महिला कार्यकर्ता जागरूकता अभियान को सम्बोधित करते हुए लीलावती कुशवाहा ने कहा कि देश की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार महिला विरोधी है। आये दिन महिलाओं के साथ बलात्कार, छेड़खानी, जैसी घटनाएं घट रही है सरकार मौन है। उज्जवला योजना के नाम पर महिलाओं को छला गया। फ्री गैस सिलेंडर लेकर गैस के दाम बढ़ा दिए गए। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग को परेशान कर रही है। महिलाओं को

घर से बाहर निकलना पड़ेगा और बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला सभा जिलाध्यक्ष महिमा गुप्ता व संचालन सपा नेत्री रूबीना बानो ने किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हण्डिया निधी यादव, पूर्व प्रमुख शांति सिंह, पूर्व जिलापंचायत सदस्य सुषमा पाल, गीता यादव, सोनम कपूर, जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी, पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुनन यादव, पूर्व विधायक श्याद अली, जिला उपाध्यक्ष जगदीश मौर्या, इरशाद सिद्दीकी, मनीष पाल, इरफान खान, समीम खान मीडिया प्रभारी वकार अहमद आदि मौजूद रहे।

जरूरतमंद बच्चों को दिया जूता, अलमारी का उपहार

बच्चों की मदद को आगे आये यूआरएमयू मंडल मंत्री विद्यायानाथ

भंगवा में बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के द्वारा किया गया वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अनाथ और जरूरत मंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग कर रहे बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी की मदद करने के लिए उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन लखनऊ मंडल आगे आया है। यूनियन के मंडल मंत्री विद्यानाथ यादव ने बच्चों के लिये जूते, मोजे और पुस्तक संग्रह के लिए एक अलमारी उपहार स्वरूप भेजी।

बुधवार को इसका वितरण बच्चों के बीच किया गया। अपनी जरूरत की चीजें पाकर बच्चे बहुत ही खुश नजर आये। इन्होंने मंत्री और यूनियन के सभी लोगों को धन्यवाद दिया है। कहा कि अब उन्हें नंगे पैर स्कूल नहीं जाना पड़ेगा।

भंगवा गांव में इन चीजों को लेकर पहुंचे बीबीएफजी के सहयोगी वीके तिवारी और उमाशंकर ने बच्चों से मुलाकात की। सामानों का वितरण किया। उनसे हालचाल जाना। पढ़ाई की जानकारी ली। इस दौरान नैंसी,पायल, नीतेश प्रजापति, निखिल, प्रीति, सिमरन, सर्वेश समेत दस बच्चों को उपहार दिया गया। वीके तिवारी ने इसके लिए यूनियन के महामंत्री बीसी शर्मा, मजदूर यूनियन लखनऊ डिवीजन के पदाधिकारियों और मंत्री विद्यानाथ यादव के प्रति आभार ज्ञापित किया है। कार्यक्रम का संचालन टीचर शनि सरोज ने किया।

शोषित पीड़ित व पिछड़े समाज के नायक थे स्व0 रामसुंदरः डॉ0 विजय

पुण्यतिथि पर याद किये गये स्व0 राम सुंदर

परियावां, प्रतापगढ़। राष्ट्र व समाज उनको याद करता है, जो समाज के लिए जीते व मरते हैं। सिर्फ उन्हें ही मरणोपरांत याद किया जाता है। ऐसे ही थे शोषित पीड़ित व पिछड़े समाज के नायक स्वर्गीय राम सुंदर यादव जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज उत्थान के लिए समर्पित कर दिया था। उक्त बातें मुख्य अतिथि मां ज्वालामुखी देवी मंदिर ट्रस्ट सचिव डॉ विजय यादव ने कही।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राम सुंदर यादव सादगी सरलता व ईमानदारी के प्रतिमूर्ति थे। सांप्रदायिक व जातिवादी शक्तियों से संघर्ष करते हुए आज से 30 वर्ष पूर्व असामाजिक तत्व की गोली से शहीद हो गए थे। वह समाज के धरोहर तथा युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उनके विचारों व आदर्शों पर चलकर शोषित पीड़ित व समाज के पिछड़े वर्गों के लोगों का उत्थान और विकास होगा। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उमाशंकर यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। श्रद्धांजलि सभा के संयोजक महेंद्र प्रताप यादव उर्फ मुनन ने सभी के प्रति धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उमाशंकर यादव, ब्लॉक प्रमुख बाबागंज रामजस सरोज, मच्छेहा प्रधान गुले चंद सरोज,राजू सरोज प्रधान बदगवां, पूरे झाऊ प्रधान राकेश सरोज, महेंद्र प्रताप यादव, दयाराम यादव ठेकेदार, शंकर यादव ठेकेदार, राजू यादव राजेंद्र प्रसाद यादव, लाल बहादुर यादव, राजाराम यादव, रामपदराथ यादव, कमलेश यादव समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अलग अलग दुर्घटनाओं मे घायल व युवक घायल, रेफर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अलग अलग दुर्घटना मे छात्र व युवक गंभीर रूप से चुटहिल हो गये। बुधवार को उदयपुर थाना के कालू का पुरवा लखापुर निवासी राममिलन का पुत्र कुलदीप 18 स्कूल से पढ़कर घर जा रहा था। कुलदीप सांगीपुर स्थित सवीदय इण्टर कालेज मे कक्षा दस का छात्र है। अपरान्ह तीन बजे साइकिल से घर जाते समय आमीशंकरपुर के समीप मटटन नाला पुल पर अज्ञात बाइक ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना मे छात्र को गंभीर चोटें आ गयी। आननफानन मे उसे सांगीपुर सीएचसी मे इलाज के लिए लाया गया। हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने छात्र को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसी तरह पडोसी जिले रायबरेली के डीह निवासी सुखलाल शर्मा का पुत्र दीपक कुमार 21 बुधवार की शाम चार बजे सांगीपुर गोड़वा के पूरे पण्डित मे बाइक से निमंत्रण के लिए जा रहा था। राजमतीपुर के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। युवक की चीखपुकार सुन लोगों ने उसे सांगीपुर सीएचसी उपचार के लिए पहुंचाया। यहां दीपक को भी गंभीर चोट देख चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। हालांकि परिजन इलाज के लिए दीपक को रायबरेली लेकर चले गये।

बरई का पुरा हुआ चला स्वच्छता अभियान

परियावां, प्रतापगढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र ऐंठू द्वारा आयोजित आजादी अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विशेष स्वच्छ भारत अभियान के तहत बुधवार को के0वी0के0 स्टाफ के द्वारा विकास खण्ड कालाकांकर के बरई का पुरवा ग्राम में कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाफ व गॉव के लोगों ने यह शपथ ली कि अपने आस-पास व गॉव को स्वच्छ बनायेंगे। इस अभियान के अर्न्तगत कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अवशेष प्रबन्धन की उपयोगिता की विस्तृत जानकारी किसानों व ग्रामीण महिलाओं को दी गयी। साथ ही उन्हे गंदगी से होने वाली बीमारियों के बारे में अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में कृषि अवशेष को नादेप कम्पोस्ट खाद के रूप में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक डा0 ए0के0 श्रीवास्तव, डा0 नवीन कुमार सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह, प्रशान्त उपाध्याय,निहोरे, रेखा देवी, ऊषा देवी, कल्पना सावित्री आदि लोग सक्रिय भाग लिया।

प्रियंका गांधी को हिरासत में लेने के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व उ0प्र0 प्रभारी प्रियंका गांधी को सीतापुर में गिरफ्तार कर लिए जाने और दो दिनों से बिना कारण बताए हिरासत में रखने और धारा-151, 107/16 आदि धाराओं में निरुद्ध करने से आक्रोशित कांग्रेसजनों ने बुधार को जिलाधिकारी के कैम्प कार्यालय पर अपनी मांगों के समर्थन में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी सदर को सौंपा।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहा कि लखीमपुर खीरी में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों को सत्ता के मद में चूर केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के सुपुत्र ने कुचल कर मारने का घृणित कार्य किया है, जब विपक्ष अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है तो उसके नेताओं

की आवाज दबाई जाती है। प्रियंका की आवाज उ0प्र0 सरकार में दम नहीं जो दबा सके। हमारी नेता प्रियंका गांधी दृढ़ इच्छाशक्ति वाली नेता हैं, जब उन्होंने कहा है कि वे पीड़ितों से जरुर मिलने जाएंगी। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व अध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्र, डा0वी0के0सिंह, छत्तीसगढ़ से आये चुनाव प्रभारी राजेश शुक्ल, इरफान अली, कपिल द्विवेदी, वेदात तिवारी, संजय मिश्रा, इंद्रानंद तिवारी, सूर्य प्रकाश शुक्ल, मकरंद शुक्ल, आकाश मिश्र, अब्दुल रहमान, फतेह बहादुर सिंह, इंद्राकर मिश्र, रामधन यादव, अजीत प्रताप सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

संवारा देवी हत्याकाण्ड का पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना हथिगवां पुलिस को 1/2 अक्टूबर को थाना क्षेत्र हथिगवां के ग्राम बलीपुर में हुई एक बृद्ध महिला संवारा देवी हत्याकाण्ड का सफल अनावरण करते हुये घटना से सम्बन्धित प्रकाश में आये दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो अदद लाठी बरामद करने में सफलता मिली हुई।

गिरफ्तार अभियुक्त में अटल बिहारी उर्फ अवनीश पुत्र रामचरन नि0 बलीपुर थाना हथिगवां, व महेश पुत्र हरिवंश नि0 बलीपुर थाना हथिगवां शामिल हैं। बता दें कि 1/2 अक्टूबर की रात्रि को थाना क्षेत्र हथिगवां के ग्राम बलीपुर में एक बृद्ध महिला सवारां देवी पतने स्व0 अमरपाल सरोज उम्र लगभग (70) वर्ष की उनके घर पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोट पहुंचाकर हत्या कर दी गई थी। इसी क्रम में थानाध्यक्ष हथिगवां दूधनाथ सिंह यादव मय हमराह द्वारा आज बुधवार को को उक्त अभियोग से सम्बन्धित प्रकाश में आये दो अभियुक्त को थाना क्षेत्र हथिगवां के ग्राम बलीपुर से गंगा कछार जाने वाले मार्ग पर बनी पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि हम लोग शराब पीने के आदी हैं। लोक लाज की डर से प्रायः शराब लेकर एकान्त पाकर संवारा देवी के घर उनके नल के पास बैठकर हम दोनों शराब पीते थे। संवारा देवी (मृतका) व उनकी बहू द्वारा इस बात का विरोध किया जाता था, संवारा देवी हम लोगों को देखकर अनाप-सनाप बोलती थी।

खबर संक्षेप

प्राथमिक विद्यालय रहेंगे बंद

कौशाम्बी। जिला बेसिक शिक्षा धिकारी द्वारा बताया गया कि 07 अक्टूबर 2021 दिन गुरुवार को शारदीय नवरात्रि प्रारम्भ (कलश स्थापना) को स्थानीय अवकाश के रूप में घोषित किया गया है। उन्होने बताया है कि 7 अक्टूबर 2021 को उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित जनपद के समस्त परिषदीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक, मान्यता प्राप्त प्राथमिक/उच्च प्राथमिक, सहयाता प्राप्त प्राथमिक/ उच्च प्राथमिक विद्यालय बंद रहेंगे।

मामूली बात पर मार-पीट

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के सैयद सरावा गांव के मजरा नया तालाब निवासी रामचरन पुत्र गनेशी लाल ने चरवा थानेदार को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गाँव का गुरु व जलन्धर पुत्रगण भाईलाल बजबरन दबंगई के बल पर अपने हैण्डपम्प का गन्दा पानी प्रार्थी के दरवाजे की तरफ बहा रहा है रामचरन का कहना है कि पानी बहने का विरोध किया तो उपरोक्त गुरू व जलन्धर लाठी डण्डा लेकर घर पर चढ़ आये आरोप है कि रामचरन और उसकी लड़की के साथ मारपीट कर धमकी दिया की तुम्हारी लड़की का वो हाल करूँगा कि कही मुँह दिखाने के लायक नहीं रहोगे पीड़ित ने शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की दर्दनाक मौत

अखंड भारत संदेश

बाइक सवार पिता-पुत्र जा रहे थे गंगा स्नान करने हुए हादसे के शिकार

ट्रेन हादसे के बाद घटनास्थल पर जुटे ग्रामीण

इमामगंज कौशाम्बी। कोखराज थाना के अंतर्गत मूरतगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के जीवनगंज रेलवे क्रोसिंग 10 नंबर गेट में फाटक पार करने के चक्कर में ट्रैन की चपेट में एक बृद्ध व्यक्ति आ गया है जिससे वृद्ध व्यक्ति हादसे में गंभीर घायल हो गया है उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है जहां बृद्ध व्यक्ति की मौत हो गयी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पन्ना लाल उम्र लागभग 65 वर्ष पुत्र गुरुदीन निवासी कस्बा सरायअकिल थाना सरायअकिल बुधवार की सुबह 6 बजे वह अपने लड़के के साथ बाइक से गंगा नहाने जा रहे थे जीवनगंज रेलवे10 नंबर गेट पर जैसे ही बाइक सवार पिता पुत्र पहुंचे तो बिना फाटक खुले ही लड़के ने बाइक को पार कर लिया मगर वृद्ध व्यक्ति लाइन क्रॉस न कर सका। जिससे वृद्ध व्यक्ति आ रही एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन हादसे में वृद्ध व्यक्ति गंभीर घायल हो गया है हादसा देख आस पास के ग्रामीण मौके पर इकठ्ठा हो गए आनन फानन में ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस को फोन किया।सूचना पाते ही मौके पर पहुची एम्बुलेंस ने घायल वृद्ध व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल पी०एच०सी० मूरतगंज पहुँचाया जहाँ डॉक्टरों ने पन्ना लाल को मृत घोषित कर दिया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्ध व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर आ गए हैं और दहाड़ मार कर रो रहे है।

बिना हैंडपंप रिबोर कराए उदाथु गढ़वा प्रधान ने निकाली खजाने से रकम

अखंड भारत संदेश

मूरतगंज विकासखंड क्षेत्र में अधिकारियों की साठगांठ से लम्बे समय से भ्रष्टाचार का बोलबाला

काजीपुर कौशाम्बी। मूरतगंज विकासखंड क्षेत्र में खंड विकास अधिकारी और एडीओ पंचायत की सांठगांठ से सरकारी खजाने में लूट मची है विकास कार्यों में धांधली में ग्राम प्रधान और पंचायत सेक्रेटरी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं मौके पर बिना कार्य कराए सरकारी खजाने से रकम निकाली जा रही है इस विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में फर्जी विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन निकाल लेने का मामला लंबे समय से चल रहा है।

मूरतगंज विकासखंड के उदाथु गढ़वा गांव में बिना हैंडपंप का रिबोर कराएं सरकारी खजाने से जिम्मेदारों ने बड़ी रकम निकाल ली है हैंडपंप रिबोर के नाम पर निकाली गई रकम में ग्राम प्रधान पंचायत सेक्रेटरी एडीओ पंचायत और खंड विकास अधिकारी की भूमिका सवालों के घेरे में है आल्हा अधिकारियों से शिकायत के बाद भी भ्रष्टाचारियों का बाल बाल खड़ा नहीं हो सका है। मूरतगंज विकासखंड क्षेत्र में भ्रष्टाचार का बोलबाला है उदाथु गढ़वा गांव में फिर बिना कार्य कराए सरकारी खजाने से रकम निकाल जाना आम बात हो गई है गांव के अजय यादव और सुरेंद्र प्रजापति के घर के सामने लगे हैंडपंप के रिबोर के नाम पर 89 हजार 250 रुपया प्रधान निधि अकाउंट से निकाला गया है जबकि ग्रामीणों का कहना है किबकोई हैंडपंप रिबोर नही हुआ है हैंडपंप के नाम पर हेरा फेरी धोखाधड़ी कर सरकारी खजाने को लूटने वाले जिम्मेदारों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से की है लेकिन क्या भ्रष्टाचार में लिप्त खंड विकास अधिकारी मूरतगंज और एडीओ पंचायत मूरतगंज के कारनामे के चलते सरकारी खजाने लूटने वालों पर कार्रवाई हो पाएगी यह योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

न्यूज झरोखा

ग्राम प्रधान और लेखपाल की मिलीभगत से सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा शुरू

कौशाम्बी। चायल तहसील क्षेत्र के मीरपुर गांव में सरकारी तालाब की भूमि पर अतिक्रमण कारियों ने अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। अतिक्रमण कारियों ने सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा करने के एवज में लेखपाल और ग्राम प्रधान को मोटी रकम दे रखी है जिसके चलते ग्राम प्रधान और लेखपाल अवैध कब्जा धारक के विरुद्ध उचित कार्यवाही नही कर रहे हैं। मीरपुर गांव में आराजी संख्या 55 की भूमि सरकारी तालाब में दर्ज है उक्त भूमि सरकारी तालाब में दर्ज होने के बावजूद ग्राम प्रधान और लेखपाल की मिलीभगत से अतिक्रमणकारी व्यक्ति अवैध कब्जा पर उतारू है जबकि इसका विरोध ग्रामीण कर रहे हैं। उसके बावजूद ग्राम प्रधान और लेखपाल अवैध कब्जा धारक को रोकने का साहस नहीं जुटा रहे हैं।

खुलेआम घूम रहे आरोपी चिकित्सक दंपत्ति पुलिस अनजान

कौशांबी। तिल्हापुर मोड़ में मरीजों को मौत देकर धनादोहन करने वाले गणेश हॉस्पिटल के संचालक और उसकी चिकित्सक पत्नी पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है चिकित्सक दम्पत्ति पर इसके पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं लेकिन मामले में आरोपी चिकित्सक दंपत्ति को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी इलाके में चिकित्सक दंपत्ति खुलेआम घूम रहे हैं लेकिन चिकित्सक दंपत्ति के घूमने से पुलिस अनजान बन रही है इसके पहले पिपरी थानेदार ने मुकदमा वादी से सुलह समझौता कराने का भरसक दबाव बनाया था थानेदार के ऑडियो में साफ सुनाई पड़ रहा है कि 50,000 लेकर के मामले का सुलह समझौता कर लो लेकिन जब मुकदमा वादी ने सुलह समझौता नहीं किया तो मौत के सौदागर आरोपी चिकित्सक दंपत्ति से स्थानीय पुलिस ने ही समझौता कर लिया जिससे चिकित्सक दंपत्ति की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है इलाके के लोगों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आरोपी चिकित्सक दंपत्ति की गिरफ्तारी किए जाने की मांग की है।

महिलाओ के अंदर बाहर झांकती है चरवा पुलिस

कौशाम्बी। पीड़ितों की मदद कर उसे न्याय दिलाना और अत्याचारियों की लगाम कसने की बजाए इन दिनों चरवा पुलिस महिलाओं के अंदर बाहर झांकती है आखिर पुलिस को महिलाओं के अंदर झांकने का प्रशिक्षण किसने दिया है ताजा मामला चरवा खास गांव का है। जानकारी के मुताबिक चरवा खास गांव निवासी ननकू तिवारी की बेटी की गुड्डी तिवारी की शादी प्रतापगढ़ जनपद में हुई थी पति की हत्या के बाद अपनी बेटियों को लेकर वह अपने माता पिता के घर चरवा आकर रहने लगी पड़ोस के कुछ मनचले युवकों द्वारा विधवा महिला गुड्डी देवी को आए दिन परेशान किया जाता है महिला को देखकर युवकों द्वारा छींटाकशी की जाती है युवकों ने महिला का जीना मुहाल कर रखा है इसी बात को लेकर कई बार युवको और उनके परिजनों द्वारा महिला और उसकी बूढ़ी मां की बेज्जती की जा चुकी है खुलेआम सड़क पर गाली गलौज कर विधवा महिला और उसकी बूढ़ी मां को दबंगों द्वारा प्रताड़ित किया जाता है इसी मामले को लेकर चरवा थाने विधवा महिला न्याय मांगने गई थी थाने में मौजूद दरोगा ने विधवा महिला से कहा कि तुम्हारे अंदर क्या है हम सब जानते हैं अब महिला के अंदर क्या है इस बात का पता चरवा पुलिस को कैसे है चरवा पुलिस आरोपियों पर कार्रवाई करने के बजाए महिलाओ के अंदर बाहर झांकने लगी है मामले की शिकायत लेकर 4 अक्टूबर को महिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची है और फरियाद कर मनचलों पर कार्रवाई की मांग की है।

मृतक पत्रकार के परिजनों को एक करोड़ रुपए सहायता दिए जाने की मांग

कौशाम्बी। लखीमपुर खीरी जनपद में रविवार को हुए किसान आन्दोलन की हिंसा की खबर कवरेज करने के दौरान पत्रकार रमन कश्यप गंभीर रूप से घायल हो गए थे।इलाज के दौरान उनकी सोमवार सुबह मौत हो गई पत्रकार की मौत पर भारतीय पत्रकार संघ के द्वारा कौशाम्बी के सिराथू में एक शोक सभा का आयोजन किया गया और मृतक परिवार को इस दुख की घड़ी को सहन करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई पत्रकार की मौत पर उनके परिजनों को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग सरकाए से की गई है इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं जिला महामंत्री के साथ भारतीय पत्रकार संघ के तहसील अध्यक्ष विष्णु सोनी व तहसील महामंत्री अजीत कुशवाहा ,नथन पटेल , संतलाल मौर्य, राकेश केशरवानी, राजकुमार,ब्रजेन्द्र,रामबाबू केशरवानी,अरविंद केशरवानी, समीर अहमद,गणेश साहू,राजू सक्सेना, मंजीत सिंह,धर्मेंद्र सोनकर,आरिफ,मोहन,राजेश पांडेय ,मदन लाल रामबाबू मोनू, पांडेय सहित तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

मानवाधिकार प्रकोष्ठ कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सिराथू से विधायक का मांगा टिकट

अखंड भारत संदेश

युवा नेता होने व पार्टी के प्रति समर्पित जिला अध्यक्ष ने दिल्ली जा कर राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद से विधायक का टिकट दिए जाने का रखा प्रस्ताव

कौशाम्बी। विधान सभा चुनाव नजदीक आते ही विधायक पद के दावेदार सामने आने लगे हैं और पार्टी के शीर्ष नेताओं को आवेदन भेजकर दावेदारी कर रहे हैं सिराथू तहसील के बालक मऊ निवासी जितेंद्र शर्मा कांग्रेस मानवाधिकार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष पद पर लंबे समय से पार्टी की सेवा कर रहे हैं उन्होंने 251 सिराथू विधानसभा को अपनी कर्म भूमि बताते हुए पार्टी की सेवा का हवाला देकर सिराथू विधानसभा से विधायक पद पर दावेदारी की है जितेंद्र शर्मा का कहना है कि लगभग पन्द्रह वर्षों से लगातार रात दिन मेहनत कर लोगों के हर दुःख सुख में खड़े रह कर वह पीड़ितों की मदद कर रहे हैं और कांग्रेस के जनाधार को बढ़ा रहे हैं। अपनी टिकट की दावेदारी को कांग्रेश मानवाधिकार प्रदेश महासचिव बिहार राजेश तिवारी की अगुवाई में प्रदेश महासचिव हर्षवर्धन दुबे के सहयोग से कांग्रेश मानवाधिकार के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद से मुलाकात कर संगठन की चर्चा की तथा 2022 आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने घंटों चर्चा की क्षेत्र में काम करने व टिकट का आश्वासन मिलते ही युवा जिला अध्यक्ष ने सभी का तहेदिल से धन्यवाद किया व पार्टी के शीर्ष नेताओं का आशीर्वाद लेकर वह दिल्ली से रवाना हुए उनके तमाम साथियों ने जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद करने का उन्हें भरोसा दिलाया है राष्ट्रीय नेतृत्व से मिलने जाने वालों में अनिल कुमार पांडेय प्रदेश सचिव कांग्रेस मानवाधिकार विभाग ब्लॉक अध्यक्ष मंझनपुर दीपक कुमार राजपूत मौजूद रहे।

मरीजों में बांटने के बजाय सड़क में फेंक दी लाखों की दवाएं

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिले में स्वास्थ्य विभाग की योजनाएं किस हद तक पटरी से उतर चुकी है इसका जीता जागता उदाहरण बुधवार को कोखराज थाना क्षेत्र में देखने को मिला है शासन करोड़ों रुपए खर्च कर आम जनमानस के बीच निशुल्क दवाएं वितरण करने की योजना संचालित करने का निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दे रहा है स्वास्थ्य योजनाओं के संचालन के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक कर योजना के सफल संचालन का निर्देश दिया जा रहा है लेकिन उसके बाद भी जिले में स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ आम जनता को नहीं मिल रहा है विभिन्न प्रकार के टीकाकरण का और समय-समय पर विभिन्न मर्जों की रोकथाम के लिए दवा खिलाए जाने का निर्देश दिया जाता है सरकारी अस्पतालों में भी दवाएं निशुल्क वितरण की जाती है लेकिन जिले में योजना पूरी तरह से चौपट हो गई है सरकारी चिकित्सकों और उनके कर्मचारियों पर शासन-प्रशासन डीएम सीएमओ का अंकुश नहीं रह गया है पूरी तरह से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो चुकी है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज के अंतर्गत तेलइया टीकूर गांव के पास बीच सड़क पर सरकारी दवाई बोरे में भरकर फेक दी गयी है जब ग्रामीणों ने सड़क पर पड़ी सरकारी दवाइयां देखी तो मामले की सूचना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज के चिकित्सक को दी लेकिन खबर लिखे जाने तक इस बात का खुलासा नहीं हो सका है कि बीच सड़क पर बोरे में भरकर किसने सरकारी दवाइयां फेंकी हैं यह किस योजना की दवाई है और आम जनता के बीच वितरण किये जाने के बजाए जंगल में इस दवाई को क्यों फेंकी गई है इसमें किसकी साजिश है यह बड़ी जांच का विषय है और इस मामले में शासन प्रशासन ने जांच कराई तो स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों का बदनुमा चेहरा उजागर होगा।

पड़ोसियों ने महिला को दिया धक्का टूटा हाथ

तिल्हापुर कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के गौसपुर कटाहुला गांव के मोहम्मद जैद पुत्र अनीस अहमद घर के बाहर बैठकर मोबाइल में कार्टून देख रहे थे और कार्टून देख कर वह हस रहे थे यह बात पड़ोसियों को खराब लग गई और इसी बात पर पड़ोसियों ने मोहम्मद जैद को पीटना शुरू किया बेटे की पिटाई की आवाज सुनकर उसकी मां आसमा बेगम घर के बाहर निकली और पड़ोसियों को मना करने लगी इतने में आक्रोशित पड़ोसियों ने आसमा बेगम को धक्का दे दिया जिससे वह नीचे गिर गई और अधिक चोट लग जाने से आशमा बेगम का हाथ टूट गया मामले में सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है घटना 27 नवंबर की है लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस ने नहीं की है महिला ने पुलिस अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

पत्रकार के हत्यारों की गिरफ्तारी और मुआवजा की मांग

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर क्षेत्र के तमाम पत्रकार भारतीय पत्रकार संघ के बैनर तले एकत्रित हुए और पत्रकारों ने लखीमपुर खीरी जनपद में किसान आन्दोलन की हिंसा के दौरान पत्रकार रमन कश्यप की मौत के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए कहा है कि पत्रकार की हत्या में आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी कराई जाए उन्हें फांसी की सजा दिलाई जाए और पत्रकार के परिजनों को एक करोड़ रुपए की मुआवजा राशि सरकार द्वारा दिया जाए पत्रकारों ने कहा कि खबर कवरेज करने के दौरान पत्रकार की हत्या का मामला बेहद निंदनीय है पत्रकार की मौत पर 2 मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया है इस मौके पर पत्रकार वरिष्ठ पत्रकार सुशील केसरवानी सुबोध केसरवानी फैज अहमद अंकित गुप्ता आर्यवीर उज्जवल केसरवानी नथन लाल सियाराम सिंह सुशील कुमार मिश्रा उर्फ बबलू भाई सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

सूरज गुप्ता के हत्यारों की जल्द हो गिरफ्तारी :भोजवाल

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी को ज्ञापन देते भोजवाल

कौशाम्बी। मैनपुरी में सूरज गुप्ता भोजवाल की निर्मम हत्या कर दी गयी जिसमे कार्यवाही ना होने पर भोजवाल महासभा कौशांबी ने पदाधिकारियो ने कलेक्ट्रेट में एकत्रित होकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दे कर उचित कार्यवाही व मुआवजे की मांग की है आपको बता दें कि जनपद मैनपुरी के थाना बेवर के ग्राम वीरपुर खास निवासी चंद्रपाल गुप्ता भोजवाल का बेटा सूरज भोजवाल उम्र लगभग 16 वर्ष कक्षा दसवीं का होनहार छात्र था जिसकी कुछ दबंगों ने पीट-पीटकर 27 सितम्बर को निर्मम हत्या कर दी थी जिसमें अभी तक क्षेत्रीय प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई ना ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकी जिससे भुर्जी भोजवाल सेवा संस्थान कौशांबी के पदाधिकारियों ने बुधवार को कौशांबी कलेक्ट्रेट में एकत्रित होकर उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदित्य योगी नाथ को संबोधित ज्ञापन सौंपा है सूरज गुप्ता भोजवाल के हत्यारों को सजा दिलाने वा आर्थिक सहायता मुआवजे की मांग करते हुए ज्ञापन दिया गया है इस मौके पर गुरु प्रसाद गुप्ता भोजवाल जगदीश गुप्ता भोजवाल रोहित गुप्ता भोजवाल अरुण गुप्ता भोजवाल अरविंद गुप्ता भोजवाल ज्ञानचंद भोजवाल, पवन गुप्ता शिवरतन गुप्ता, दुर्गेश गुप्ता, धीरेंद्र गुप्ता, राम प्रसाद गुप्ता सुधीर गुप्ता सुशील गुप्ता, पिंटू गुप्ता सहित काफी संख्या में संगठन के लोग मौजूद रहे।

फालोवर पर हुआ हमला

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के मानपुर गौरा गांव निवासी अरुण कुमार पुत्र शिवनंदन मंझनपुर कोतवाली में पुलिस कर्मियों का भोजन बनाते हैं अरुण के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली में भोजन बनाकर 1 अक्टूबर की रात्रि करीब 10:00 बजे वह अपने घर जा रहे थे रास्ते में नारा गांव से 1 किलोमीटर पहले उन पर हमला किया गया है उनका कहना है कि वह किसी तरह जान बचाकर भाग आए लेकिन उनकी वाइक क्षतिग्रस्त कर दी गई है उन्होंने अपने परिवार के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं उनका कहना है कि उनकी हत्या का ठेका गांव के कुछ दबंगों को दिया जा चुका है परिवार के लोगों द्वारा ठेके पर उनकी हत्या कराई जा सकती है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है।

शेष कुमार दुबे संयोजक व शिव शंकर सिंह बने सहसंयोजक

अखंड भारत संदेश

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की बैठक सम्पन्न

कौशाम्बी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की बैठक बुधवार को बीआरसी मंझनपुर परिसर में हुई। इस दौरान संगठन की मजबूती को लेकर मंथन करने के साथ ही संगठन के विस्तार हेतु मंझनपुर ब्लॉक के संयोजक व सहसंयोजक पद की जिम्मेदारी शिक्षकों को सौंपी गई। बीआरसी परिसर में हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला संयोजक ओमदत्त त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को लेकर संगठन लगातार आवाज उठा रहा है। अब जरूरी है कि संगठन का विस्तार किया जाए। बैठक में तमाम नामों पर विचार के बाद जिला संयोजक ने शेष कुमार दुबे को मंझनपुर विकास खंड का संयोजक,शिवशंकर सिंह को सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी।राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला सह संयोजक उमेश चन्द्र तिवारी ने संयोजक और सह संयोजक को मंझनपुर ब्लॉक में संगठन का विस्तार संगठन की नियमावली के अनुसार सम्पन्न करने हेतु प्रेरित किया।बैठक में नवनियुक्त ब्लाक संयोजक शेष कुमार दुबे ने कहा कि इस जिम्मेदारी का निर्वहन संगठन की नियमावली के तहत शिक्षक हित को ध्यान में रखकर संगठन का विस्तार किया जायेगा। इस अवसर पर शाहिद अली, मायापति त्रिपाठी, अवनीश कुमार मिश्र, देवेन्द्र द्विवेदी, अनूप कुमार वर्मा, खालिद, सुनील यादव, राजमणि यादव, मुन्नी देवी, कुंवर सिंह, विश्वनाथ वर्मा, आशीष कुमार शुक्ला, विमलेश ,सतीश कुमार शर्मा, मुदस्सर अली, रफीक अहमद, अनुराग श्रीवास्तव, कृष्णकांत तिवारी, नागेश सिंह सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

भरवारी कस्बे की चरमराई विद्युत व्यवस्था नगरवासी हलाकान

अखंड भारत संदेश

दलालों और दलालों के गठजोड़ से चलने वाले अधिकारियों पर सीएम से कार्यवाही की मांग

भरवारी कौशांबी। विद्युत विभाग के अधिकारियों की लापरवाही उदासीनता अवैध वसूली और दलालों के बढ़ावा देने के चलते भरवारी नगर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है जिसका खामियाजा नगरवासी भुगत रहे हैं। चौपट विद्युत व्यवस्था के बाद भी विद्युत विभाग के अधिकारी तैनाती स्थल छोड़कर प्रतिदिन पिकनिक मनाने प्रयागराज चले जाते हैं। इतना ही नहीं अवर अभियंता उपखंड अधिकारी अपनी तैनाती स्थल छोड़कर मोबाइल स्विच ऑफ कर लेते हैं जिससे विद्युत उपभोक्ता उनसे बात नहीं कर पाते हैं। भरवारी कस्बे की विद्युत तारे जर्जर हैं जो आए दिन फाल्ट होने के नाम पर टूट कर सड़कों पर गिरती हैं विद्युत तारों के बार बार गिरने से बड़े हादसा की संभावना नगर वासियों ने जताई है बीते एक सप्ताह से भरवारी कस्बे की विद्युत आपूर्ति से नगरवासी परेशान है। दुर्गा पूजा दशहरा नवरात्रि का पर्व नजदीक होने के बाद भी भरवारी नगर की विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया है जिले में जिलाधिकारी सहित विभिन्न अधिकारी निवास कर आम जनता की समस्याओं को सुन रहे हैं लेकिन विद्युत विभाग के अवर अभियंता उपखंड अधिकारी ड्यूटी छोड़कर फरार हो जाते हैं। नगर क्षेत्र के लोगों का कहना है कि विद्युत जांच के नाम पर अधिकारियों ने एक सूत्रीय फामूर्ला बना लिया है कि जांच के नाम पर उपभोक्ताओं का शोषण कर अवैध धना दोहन कर उपभोक्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है इलाके के लोगों का कहना है कि भरवारी पावर हाउस में दलालों की टीम हावी है और हर तरह के जायज नाजायज कार्यों को अधिकारियों के कराने के नाम पर दलाल ठेका लेते हैं और अधिकारी भी उन्हीं कार्यों को अधिक बारीयता देते हैं जिन कार्यों में उपभोक्ता दलालों के माध्यम से उनके पास पहुंचे हैं। नगर वासियों ने सूबे के मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए दलालों और दलालों के गठजोड़ से चलने वाले अधिकारियों के कारनामों पर जांच कराते हुए कठोर कार्यवाही की मांग की है।

विधिक साक्षरता शिविर का किया गया आयोजन

कौशाम्बी। जनपद न्यायाधीश के निदेर्शानुसार विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ग्राम-अफजलपुर सातों एवं दौलतपुर कसार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सौम्या गिरी द्वारा महिलाओं के कल्याणार्थ विधियों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा कोविड 19 से सुरक्षा एवं टीकाकरण के प्रति भी जागरूक किया गया। शिविर में राजस्व निरीक्षक महंत लाल, लेखपाल गंगा प्रसाद, रामकृष्ण व अभिषेक उपस्थित रहे।

सडक बनी तालाब राहगीरों को आने जाने मे हो रही परेशानी

नाली और बरसात का पानी सड़क पर भर जाने से बीमारी फैलने की आशंका से दहशत

अखंड भारत संदेश

सड़क में भरा पानी का दृश्य

कौशाम्बी। गड्ढा मुक्त सड़क का भाजपा सरकार का दावा खोखला हो रहा है सड़के दुर्दशा ग्रस्त है बरसात के साथ-साथ नाली का पानी भी सड़कों पर भर रहा है जिससे ग्रामीणों के सामने मुसीबत खड़ी है नवरात्रि दुर्गा पूजा दशहरा रामलीला आदि पर्व शुरू होने वाला है लेकिन फिर भी सड़क को गड्ढा मुक्त और गंदगी को हटाने की व्यवस्था जिम्मेदारों द्वारा नहीं किया जा रहा है बार-बार अधिकारियों से शिकायत करने के बाद समस्या का समाधान होता नहीं दिख रहा है। सिराथू तहसील क्षेत्र के बम्हरौली भटपुरवा गाँव में सड़क पर बरसात और नाली का पानी भर जाने से सड़क तालाब बन गयी है। जिससे राहगीरों को आने जाने में भारी दिक्कत झेलनी पड़ रही हैं लेकिन जिम्मेदारों ने अभी तक सड़क में भरे पानी को नहीं साफ कराया सड़क में पानी भर जाने से जहां एक और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है वही गाँव मे बीमारी फैलने की आशंका से ग्रामीण दहशत के साए में जी रहे हैं। जलभराव वाली सड़क के दोनों तरफ बने घर के लोगो ने इस समस्या की समाधान को लेकर कई बार ग्राम प्रधान से लेकर आला अधिकारियों तक शिकायत किया लेकिन अभी तक सड़क में भरे पानी को साफ नहीं कराया गया।जिससे लोगो मे खासी नाराजगी है। लोगो ने आला अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुवे जल्द से जल्द सड़क के पानी की सफाई कराये जाने की माँग की है जिससे लोगो को इस समस्या से निजात मिल सके।

सम्पादकीय

पंडोरा पेपर्स की उलझी गुत्थियां: तय समय में हो जांच

किसी कंपनी या ट्रस्ट के वास्तविक स्वामित्व की पहचान सुनिश्चित करने के लिए भी विभिनन-देशों की सरकारों के बीच सहयोग और तालमेल जरूरी है। और, कहने की जरूरत नहीं कि इस दिशा में पहला कदम यही हो सकता है कि कंपनी या ट्रस्ट के वास्तविक मालिक की पहचान सुनिश्चित करने का आसान तरीका निकाला जाए। इंटरनैशनल कन्सॉशिय्म ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) द्वारा सामने लाए गए एक करोड़ बीस लाख दस्तावेज का नया सेट जिसे पैंडोरा पेपर्स का नाम दिया गया है, बताता है कि कैसे दुनिया भर के अमीर और प्रभावशाली लोग अपनी संपत्ति छुपाने और बढ़ाने के लिए टैक्स हेवंस में ऑफशोर कंपनियों और ट्रस्टों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि इस तरह के उपाय अपनाने वाले सभी लोग अनिवार्य तौर पर दुर्भावना या टैक्स चोरी की नीयत से प्रेरित नहीं कहे जा सकते, लेकिन कुछ लोग निश्चित रूप से इस श्रेणी में आते हैं। चूंकि पैंडोरा पेपर्स में जिन लोगों के नाम आए हैं, उनमें भारत के भी कई जाने माने लोग हैं इसलिए इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। अच्छी बात है कि सरकार ने देर किए बगैर इनकी कई एजेंसियों से जांच के आदेश दे दिए हैं। मगर इस मामले में व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बगैर ठोस कुछ हासिल नहीं हो पाएगा। किसी कंपनी या ट्रस्ट के वास्तविक स्वामित्व की पहचान सुनिश्चित करने के लिए भी विभिनन-देशों की सरकारों के बीच सहयोग और तालमेल जरूरी है। और, कहने की जरूरत नहीं कि इस दिशा में पहला कदम यही हो सकता है कि कंपनी या ट्रस्ट के वास्तविक मालिक की पहचान सुनिश्चित करने का आसान तरीका निकाला जाए।

हर फाइनैंशल सिक्यॉरिटी होल्डर (चाहे वह कोई व्यक्ति हो या कोई अन्य लीगल एंटिटी) का अपना एक खास आइडेंटिफायर होना चाहिए ताकि कंपनियों और ट्रस्टों के जाल के पीछे होने पर भी उस अल्टिमेट बेनिफिशरी तक पहुंचा जा सके। भारत में कॉमन डायरेक्टर आइडेंटिफिकेशन नंबर देने की व्यवस्था को इस लिहाज से सही दिशा में उठाया गया कदम माना जा सकता है। आरबीआई लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर भी ऐसा ही कदम है। लेकिन ये कदम तब नाकाफी साबित होते हैं जब उपलब्ध साक्ष्य किसी टैक्स हेवन की किसी अस्पष्ट सी पहचान की ओर इशारा करते हैं। इसलिए वक्त आ गया है जब जी-20 को तमाम टैक्स हेवंस के लिए कोई समय सीमा तय कर देनी चाहिए। उन्हें लीगल ओनर्स से जुड़ी सभी सूचनाएं इसलिए भी मुहैया करानी हैं ताकि 15 फीसदी ग्लोबल मिनिमम टैक्स से जुड़े समझौते पर अमल हो सके। इस समझौते का भी मकसद टैक्स हेवंस खत्म करना ही है। बहरहाल, मौजूदा मामले का जहां तक सवाल है तो यह याद रखने की बात है कि कई कंपनियां सर्वथा वैध मकसद से ऑफशोर एंटिटी बनाती और संचालित करती है। इसलिए यह धारणा बना लेना उचित नहीं होगा कि ऑफशोर रजिस्टर्ड ट्रस्ट से जुड़े सारे लोग गलत ही हैं। दूसरी बात यह कि जांच शुरू कर देने के बाद उसे अनंत काल तक जारी रखना भी ठीक नहीं। यह अपने आप में एक यातना हो जाती है। एक उपयुक्त समय के अंदर जांच पूरी करके या तो प्रॉसिक्यूशन शुरू कर देना चाहिए या फिर साक्ष्य न मिलने की स्थिति में फाइल क्लोज हो जाना चाहिए।

सियासी नफा-नुकसान तय करेंगे किसान

नरेंद्र नाथ

पिछले दस महीने से चल रहा किसान आंदोलन ऐसे दौर में आ चुका है जहां से अगले कुछ दिन इसके लिए बेहद अहम होने वाले हैं। न सिर्फ सरकार के दृष्टिकोण से, बल्कि किसान आंदोलन के भविष्य के लिए भी ये दस दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। जिस तरह लखीमपुर में हिंसा हुई और उसमें आठ लोगों की मौत हो गई, उससे उत्तर प्रदेश के दूसरे हिस्सों तक किसान आंदोलन फैला। सुप्रीम कोर्ट में किसान आंदोलन पर सुनवाई शुरू हुई तो पंजाब में अमरिंदर सिंह के सीएम पद से हटने के बाद उनका उपयोग किसान आंदोलन में करने की केंद्र सरकार की रणनीति पर चर्चा उठी। उससे लगभग 9 महीने बाद दोनों पक्ष बातचीत का रास्ता खोजने की संभावना फिर देखने लगे हैं।

पिछले साल के अंत में शुरू हुए किसान आंदोलन में सरकार से अब तक 11 राउंड बातचीत हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इस साल 22 जनवरी को बातचीत विफल होने के बाद से लेकर अब तक सरकार और किसानों के बीच कोई बात नहीं हुई है। 26 जनवरी को हुई हिंसा के बाद बातचीत का रास्ता एक तरह से बंद हो गया। दरअसल किसान संगठन और सरकार, दोनों के सामने चुनौती साख बनाए रखने की है। किसान संगठनों को अब तक कुछ क्षेत्रों से बड़ा समर्थन मिलता रहा है। लेकिन अगर इसमें हिंसा और राजनीति का प्रवेश हुआ, तो एक बड़ा वर्ग इससे अलग हो सकता है। किसी भी आंदोलन को इतने लंबे समय तक बनाए रखना भी आसान नहीं है। एक और चुनौती इस धारणा को बनाए रखने की है कि यह ईगो या जिद से अधिक किसानों के सरोकार से जुड़ा मसला है। किसान संगठनों से जुड़े एक नेता ने एनबीटी से कहा कि अगर हिंसक टकराव और हुआ तो इससे आंदोलन प्रभावित होगा। वहीं सरकार से जुड़े एक सीनियर व्यक्ति ने कहा कि अगर आंदोलन लंबा खिंचता गया तो अब उनका सियासी नुकसान हो सकता है। अभी नए साल की शुरुआत में जिन राज्यों में चुनाव होना है, उनमें पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड ऐसे राज्य हैं, जहां किसान आंदोलन का असर सबसे अधिक पड़ा है। ऐसे में किसान संगठन भले मांग पूरी न होने तक आंदोलन चलाने का दावा करें, लेकिन उन्हें भी पता है कि व्यावहारिक तौर पर लोगों को और लंबे समय तक रोक पाना आसान नहीं होगा। बीजेपी को भी पता है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में हार के बाद वह मुद्दे को और लटका नहीं सकती है। अभी तक दोनों पक्ष अपनी जिद पर अड़े है, जिससे बात बढ़ने की संभावना समाप्त हो गई थी। किसान संगठनों ने कहा कि कानून वापसी से कम की शर्त मंजूर नहीं, तो सरकार ने पहले बता दिया कि वह किसी भी सूरत में बिल को वापस नहीं लेगी। ऐसे में अब बीच का रास्ता कैसे तैयार किया जाए, सबसे अधिक चुनौती इसी बात को लेकर है। वहीं अभी केंद्र सरकार की सबसे अधिक उम्मीदें अमरिंदर सिंह से हैं।दरअसल सरकार के सामने सियासी चिंता यह है कि किसान ऐसा तबका है जिससे देश की सबसे बड़ी आबादी प्रभावित है। साथ ही सरकार कोविड के बाद के हालात और महंगाई के मोर्चे पर पहले से जूझ रही है। दोनों ऐसे मुद्दे हैं, जिनका सरोकार आम लोगों से है। इनके बीच अगर किसान आंदोलन भी शामिल हो गया, तो सरकार और बीजेपी को एक साथ कई मोर्चों पर जूझना पड़ सकता है और विपक्ष को भी कारगर सियासी हथियार मिल सकता है। मोदी सरकार और बीजेपी को पता है कि किसानों की नाराजगी का असर राजनीति पर भी पड़ता है। पहले टर्म में इसके दोनों रूप बीजेपी देख चुकी है। 2017 में गुजरात विधानसभा चुनाव में गांवों में बीजेपी के खराब प्रदर्शन के पीछे किसानों का आक्रोश ही बड़ा कारण माना गया। इसके अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भी किसानों के लगातार आंदोलन हुए और वहां विधानसभा चुनाव में हार मिली। इसके बाद पीएम मोदी ने 2019 बजट में किसान सम्मान निधि के जरिए ऐसा काउंटर पेश किया कि लोकसभा चुनाव में पहले से भी अधिक सपोर्ट मिल गया। वहीं विपक्ष भी अब तक समझ चुका है कि आर्थिक मंदी से जुड़े मुद्दे पर ही वे नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली बीजेपी से मुकाबला कर सकते हैं। सियासी मुकाबले के लिए आर्थिक पिच ही एकमात्र विकल्प है। यही कारण है कि हिंदुत्व या राष्ट्रवाद जैसे मुद्दे पर लगातार बैकफुट पर धकेले जाने वाले विपक्ष ने अब अपना पूरा फोकस किसान और महंगाई पर किया है।

योगी और राकेश टिकैत ने मिलकर दिखाई समझदारी ! कुछ घंटों में सुलझा दिया लखीमपुर खीरी प्रकरण

अशोक मधुप

देखने में आ रहा है कि देश के अधिकांश राजनीतिक दल सोचने समझने की क्षमता शायद खो चुके हैं। चुनाव मैदान में आकर अब उनकी जीतने की कूवत नहीं रही। वे एक तरह की घटनाओं पर राजनीतिक रोटी सेंकने में लग गए। कलकत्ता से भी बयान आने लगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता से लखीमपुर प्रकारण जल्दी ही टांय-टांय फिस हो गया। इस प्रकरण की मिसाइल की बारूद आग ही नहीं पकड़ सकी, जिसे कुछ विपक्षी राजनीतिक दल और खतरनाक बनाकर छोड़ने की तैयारी में थे। वह तो इस प्रकरण को गरमाने और इस पर राजनीतिक रोटियां सेंकने में कसर नहीं छोड़ना चाहते थे। योगी की विशेषता है त्वरित निणय लेना। वही सक्रियता उन्होंने यहां दिखाई। उधर लखीमपुर खीरी में हुई मौत पर राजनीतिक दलों ने जितनी सक्रियता दिखाई, इतनी सक्रियता इससे पहले कभी नही देखी गई। हालात यह रहे कि प्रियंका गांधी रात में ही लखीमपुर के लिए निकल पड़ीं। ओवैसी हैदराबाद से चल पड़े। अखिलेश बहुत सवेरे ही निकलने लगे। यहां तक कि पंजाब के नए बने मुख्यमंत्री चरण जीत सिंह चनने को भी दो दिन में पर निकलने लगे। वे भी लखीमपुर प्रकरण की आग में रोटी सेंकने में लग गए। उत्तर प्रदेश सरकार से घटनास्थल के आसपास अपने हेलीकॉप्टर को लैड कराने की अनुमति मांगते रहे।

देश के राजनीतिक दल सोचने समझने की क्षमता शायद खो चुके हैं। चुनाव मैदान में आकर अब उनकी जीतने की कूवत नहीं रही। वे एक तरह की घटनाओं पर राजनीतिक रोटी सेंकने में लग गए। कलकत्ता से भी बयान आने लगा। ममता बनर्जी बंगाल में विजयी होकर अपने को भावी प्रधानमंत्री समझ रहीं हैं। किसी ने इस घटनाक्रम की सच्चाई को जानना भी गंवारा नहीं समझा। इस मामले में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने अपनी बुद्धिमत्ता का जरूर परिचय दिया। उन्होंने इस मामले में समझौता कराने में देर नहीं लगाई। जिससे राजनैतिक दलों की फूं-फा स्वतः बंद हो गयी। मामला क्या था ? क्या नहीं ? इसके लिए न्यायिक जांच बैठा दी गई है। उसमें सच्चाई निकल कर सामने आ जाएगी। पर जिस तरह की सूचनाएं आ रही हैं, वह ठीक नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों में शामिल एक व्यक्ति भिंडरावाला की चित्र लगी शर्ट पहने हुए है। एक कार के चालक को आंदोलनकारी डंडों से मार रहे हैं। उसे जबरदस्ती कुछ कबूल करवाना चाहते हैं। न मानने पर उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी जाती है। इस प्रकरण की वीडियो बनाने वाले की साइड में एक व्यक्ति काला झंडा लिए हुए है। उस झंडे पर भिंडरावाला का निशान साफ चमक रहा है।

क्या भिंडरावाले के चित्र बनी शर्ट और भिंडरावाले का झंडा किसी षड्यंत्र का संकेत नहीं दे रहे ? क्या ऐसा नहीं लगता कि किसानों में कुछ अराजक तत्व नहीं घुस गए हों ? जैसा कि 26 जनवरी को लालकिले पर हुआ था। लखीमपुर खीरी तराई बेल्ट का सिख बहुल जिला का है। इसके नेपाल से सटे होने पर यह भी संभावनाएं हैं कि यहां के लोगों में खालिस्तान और भिंडरावाला के नाम पर जहर घोला जा रहा हो। यह सब जांच का विषय है और जांच में खुलकर सब सामने आ जाएगा। इस पूरे प्रकरण में एक पत्रकार की मौत अलग कहानी कहती है। घटनास्थल पर प्रदर्शन के दौरान, कवरेज करते पत्रकारों पर हमला हुआ तो एक पत्रकार को पीट-पीटकर मार डाला गया। उसकी लाश को छिपाने की कोशिश की गई। अगले दिन जाकर लाश मिली। पत्रकार के शव को छिपाने में किसका लाभ था, क्यों छिपाया गया, यह बात समझ से परे है ? पत्रकार के शव को छिपाने के राज का भी जांच के दौरान पता लगाने की जरूरत है ? यह भी पता लगाने की जरूरत है कि क्या प्रदर्शन करने वालों में कुछ गलत लोग भी थे ? जो चाहते थे मौके कि कवरेज न हो, ना मानने वालों पर उन्होंने हमले किए और एक पत्रकार को मार डाला।

उप मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के उतरने की जगह पर कब्जा करना, प्रदर्शन करना, तो समझ में आता है। पर हेलीपैड के आसपास लगे झंडे फाड़ना आंदालनकारियों की नीयत पर सवाल खड़े करता सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी सुनवाई के दौरान इस प्रकरण पर नाराजगी जाहिर की है। कहा है कि आंदोलन की अनुमति मांगने वाले आंदोलन के हिंसक होने, लखीमपुर जैसी घटना होने पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। कुछ भी हो इस प्रकरण को समाप्त करने में, समस्या का निदान निकालने में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी नाथ आदित्यनाथ कि जितनी प्रशंसा की जाए कम हैं। उनकी सूझबूझ की तारीफ करनी पड़ेगी। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी इस मामले में समझौता कराकर ये बता दिया कि उनकी रूचि समस्या के निदान में है। समस्या बढ़वाने में उनकी रूचि नहीं है। एक चीज और है। देखने में आ रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के कुछ विधायक और सांसदों की जबान पर नियंत्रण नहीं है। वे कब क्या बोल दें, यह नहीं कहा जा सकता। भारतीय जनता पार्टी को अपने कार्यकर्ता, विधायक और सांसद, मंत्री सब को निर्देश देने होंगे कि वह अपनी जुबान पर काबू रखें। उल्टे सीधे बयन ना दें। ऐसी बात ना करें, जिसका लोग राजनीतिक लाभ उठाने में लग जाएं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने अगर किसानों के बारे में गलत बयान न दिया होता, तो यह घटना कभी नहीं होती। कुछ समय से यह भी देखने में आ रहा है कि कुछ भाजपा विधायक और सांसद पार्टी के नियंत्रण से बाहर हैं, इनकी गतिविधि पर भी पार्टी को ध्यान देना होगा, इन्हें भी समझाना होगा।

देवी के प्रत्येक पाण्डाल में उनकी मूर्ति महिषासुर के साथ क्यों है?

नंदकिशोर श्रीमाली

प्रचलित कथा के अनुसार असुरों, राक्षसों के नेता महिषासुर के वध के लिए देवी दुर्गा की उत्पत्ति हुई थी क्योंकि महिषासुर को ब्रह्माजी ने यह वरदान दिया था कि उसकी मृत्यु सिर्फ शक्ति स्त्री के हाथों होगी। इसलिए सभी देवताओं की शक्ति पुञ्ज ज्वाला ने एक स्त्री का रूप लिया जिससे दुर्गा कहा गया है। दुर्गा एवं महिषासुर के बीच युद्ध नौ दिन चला और दसवें दिन देवी की जीत हुई। वास्तव में दुर्गा पूजा का उत्सव नव दिनों तक देवी दुर्गा और महिषासुर के बीच के संग्राम का द्योतक है जिसका वध देवी ने दसवें दिन किया था। आश्चर्य की बात है उसके बाद भी शंकराचार्य देवी की स्तुति करते हुए लिखते है,

जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि शैलसुते

महिषासुर घातिनी नहीं लिख रहे हैं, शंकराचार्य बल्कि मर्दिनी कह रहे है। मर्दन शब्द का प्रयोग अधिकतर मान भंग में किया जाता है। क्या देवी ने महिषासुर का वध किया ही नहीं? आखिर महिषासुर है कौन, एवं क्यों उसका विनाश करने के लिए देवी की उत्पत्ति हुई?

महिषासुर के चरित्र के अनछुए पहलू

महिष और असुर शब्द के मेल से महिषासुर शब्द निर्मित हुआ है। 'मह्‌ धातु में 'इषन प्रत्यय जोड़कर महिष बना है जिसमें गुरुता का भाव है। गुरुता का भाव लिए 'मह्‌ धातु से अनेक शब्द बने है; यथा महा, महान, महत्व, महिमा आदि। 'महिष ऐसे ही शब्दों में से एक है। भारत में जब राजतंत्र का विकास हुआ, तब 'महिष का एक नया अर्थ 'राजा हो गया। कारण कि धरती पर 'महा शक्तिमान राजा ही होते हैं। इसीलिए रानी को आज भी 'महिषी कहा जाता है। 'महिष का अर्थ भैंस भी होता है और शायद यही से महिषासुर शब्द का सबसे आसान यह निकाला गया कि वह एक ऐसा असुर जो महिष या भैंसे का रूप ले लेता है। अपनी सेना का संहार होता देख महिषासुर ने भैंसे का रूप धारण करके देवी के गणों को त्रास देना आरम्भ किया। पूजा पांडाल में महिषासुर का चित्रण एक भैंस एवं मनुष्य के रूप में किया जाता है जिसका गर्दन देवी के हाथों में है और उनका सिंह उसे दबा रहा होता है, उसका मान मर्दन कर रहा होता है। मगर विचार करने योग्य बात यह है कि जिस महान असुर ने इन्द्र को स्वर्ग से निकाल बाहर किया वह भैंसे के शरीर वाला क्यों है? जबकि दुर्गासप्तशती के तृतीय अध्याय में दिखाया गया है महिषासुर जो रूप चाहे धर सकता है।

मार्कण्डेय लिखते हैं,

ङ्गमहापराक्रमी महिषासुर क्रोध में भरकर धरती को खुरों से खोदने लगा तथा अपने सींगों से ऊंचे-ऊंचे पर्वतों को उठाकर फेंकने और गर्जने लगा। उसके वेग से चक्कर देने के कारण पृथ्वी क्षुब्ध होकर फटने लगी। उसके पूंछ से टकराकर समुद्र सब ओर से धरती को डुबोने लगा। फिर चण्डिका ने उसे पकड़ने के लिए पाश फेंका। पाश में बंधते ही उसने भैंसे का रूप त्याग दिया और सिंह के रूप में प्रकट हो गया। जैसे ही जगदम्बा उसका मस्तक काटने के लिए उद्धत हुई वह खड्गधारी पुरुष के रूप में दिखाई देने लगा। देवी ने जब उस पुरुष को बाणों से बींध दिया, तब वह विशालकाय हाथी में बदल गया और देवी के सिंह को खींचने लगा। देवी ने जब हाथी की सूड़ काट दी तो वह पुनः भैंसे में बदल गया। स्पष्ट है कि महान असुर महिषासुर रूप बदलने की शक्ति रखता था। वह मायावी था, फिर उसका नाम महिषासुर, "भैंस के तरह रूप वाला असुर क्यों है? स्कन्दपुराण में इस प्रश्‍न का उत्तर ?षिगण सूतजी से मांग रहे हैं। पूर्व काल में हिरण्याक्ष का पुत्र महिष नामक दैत्य हुआ। पहले उसका रूप बहुत सुन्दर था एवं उसे चित्रसम नाम से जाना जाता था। चित्रसम के

शौक थोड़े अलग किस्म के थे। उसे भैंसे की सवारी पसन्द थी। एक दिन वह जंगली भैंसे पर सवार होकर जल पक्षियों के शिकार के लिए जंगल में गया। अनजाने में उसके भैंसे के खुर से जंगल में दुर्वासा मुनि घायल हो गए एवं क्रोध में चित्रसम को शाप दे दिया कि वह भैंसा बन जाए।

दुर्वासा का शाप सुनकर चित्रसम हक्का-बक्का रह गया। वह एक किशोर युवक था जो आनन्द के लिए जल पक्षियों के शिकार हेतु आया था। वह दुर्वासा से प्रार्थना करता है कि उसे पशुयोनि से मुक्त कर दे। परन्तु शाप तो पत्थर पर खींची लकीर की तरह होता है, जिसे देने वाला भी वापस नहीं ले सकता है, बिलकुल चलाए गए तीर की तरह। चित्रसम गुरु शुक्राचार्य के पास शाप के शमन हेतु गया, पर दुर्वासा के शाप को निष्प्रभावी करना बहुत मुश्किल था। इसलिए शुक्राचार्य उसे भगवान शिव के पास भेजते हैं। सिर्फ शिव में शक्ति है जो दुर्वासा के शाप के प्रभाव को कम कर सकते हैं। गुरु आज्ञा मानकर चित्रसम हाटकेश?वर में विशाल शिवलिंग स्थापित करके प्रार्थना करने लगता है। जैसा कि हमेशा होता है। कठिन तप से शिव पिघल जाते हैं यहां भी ऐसा कुछ हुआ एवं शिव चित्रसम से पूछते हैं, "क्या चाहते हो? चित्रसम पशुयोनि से मुक्ति चाहते थे, परन्तु शिव अपनी असमर्थता जताते हुए कहते हैं कि दुर्वासा के वचन को मैं अन्यथा नहीं कर सकता हूं।

इसका अर्थ हुआ कि मुंह से निकला शब्द एवं बाण से निकला तीर लौटाया नहीं जा सकता है। अब महिषासुर शिव की पूजा कर रहे थे, भोले भण्डारी औघड़ दानी हैं फिर भला महिषासुर का कैसे नहीं सुनते? शिव कहते हैं कि "मैं तुम्हें पशुयोनि से नहीं निकाल सकता हूं। परन्तु मैं तुम्हारे सुख का उपाय कर देता हूं। जितने भी देव, मानव तथा असुर भोग हैं, सब तुम्हें इस शरीर में प्राप्त होंगे। भोग के लिए ही देवता-असुर मानव शरीर की इच्छा करते हैं। यानि मनुष्य शरीर सुख की अनुभूति के लिए है - अपने शरीर को सजाना संवारना उसका ध्यान रखना गलत नहीं है, बल्कि आवश्यक है। महिष यह सुनकर खुश हो जाता है और फिर शिव से कहता है यदि ऐसा है तो मेरी मृत्यु सिर्फ स्त्री के हाथों हो बाकी अन्य योनियों के लिए मैं अवध्य रहूं। शिव से वरदान प्राप्त करके महिष बिलकुल भयहीन होकर देवताओं पर आक्रमण कर दिया और त्रिलोकी के राज्य का स्वामी बन बैठ गया। इसके बाद के कथानक में मार्कण्डेय पुराण और स्कन्दपुराण में अन्तर है। मार्कण्डेय पुराण में देवताओं की दीन-हीन अवस्था देखकर एवं इन्द्र के स्वर्ग से निकाले जाने की खबर पाकर शिव एवं विष्णु अति क्रोधित होते हैं एवं भगवान विष्णु के मुख से एक महान तेज प्रकट होता है, जिसमें ब्रह्मा शिव, इन्द्र का भी तेज सम्मिलित हो गया। परन्तु, स्कन्दपुराण में लिखा हुआ है कि नारद से देवताओं की दीन स्थिति का पता चलने बाद स्कन्द अति क्रोधित हुए और उनके मुख से जो तेज निकला वह एक कुमारी कन्या बन गई। उस दिव्य तेज रूपा कन्या में अन्य देवताओं का तेज भी मिला। चूंकि वह कार्तिकेय के तेज से उत्पनन हुई, इसलिए कात्यायनी कही गई।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी
तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डा चतुर्थकम्
पंचम् स्कन्दमाता षष्ठं कात्यायनी
सप्तम् कालशत्रि महागौरिति चाष्ट
नवम् सिद्धिदात्री नवदुर्गा च प्रकीर्तिताः

यहां थोड़ी सी अखरने वाली बात यह है कि शक्ति पांचवे रूप में स्कन्द की मां है एवं छठे रूप में स्कन्द के क्रोध से उत्पनन कुमारी शक्ति कात्यायनी। उत्पनन होने के बद देवताओं के कार्य सिद्धि हेतु विन्ध्याचल में तप करने चली गई। उनकी सवारी हेतु पार्वती ने उन्हें सिंह दिया। आगे उनके मोहक रूप की चर्चा सुनकर महिषासुर सुध-बुध खो बैठता है और अपने दूत पठाता है उसके प्रणय प्रस्ताव को कात्यायनी नामंजूर कर देती है। फिर युद्ध होता है जिसमें कात्यायनी एवं महिषासुर का आमना-सामना होता है। इस स्थान पर कथानक में मार्केण्डेय पुराण और स्कन्दपुराण में भेद आ गया है। स्कन्दपुराण में लिखा गया है कि कात्यायनी ने जब महिषासुर के भैंसे रूप पर खड्ग से प्रहार किया तो उसने तत्काल वह रूप त्याग कर एक सुन्दर युवक बन गया। देवी ने उसकी चोटी पकड़ ली और उस पर प्रहार करने के लिए तलवार उठायी कि वह देवी के शरण में जा कर उनकी स्तुति करने लगा।

महिषासुर बोला,
"देवि! आपकी जय हो!
अचिन्त्यशक्ते। आपकी जय हो!
सर्वव्यापिनी देवी! आपकी जय हो!
त्रिभुवनसुन्दरी! आपकी जय हो!
दैत्यों का विनाश करने वाली आपकी जय हो!

मुझ पर कृपा प्रसाद कीजिए! प्राणों की रक्षा और दया की भिक्षा दीजिए। मैं आपकी चरणों में पड़ा अत्यन्त दीन और विनीत हूं। मुझ पर कृपा कीजिए। महिषासुर के दीन वचन सुनकर दयामयी माता को दया आ गई और वे देवताओं से कहती है, "अब मैं क्या करूं? यह मेरे शरण में आ गया। मैं इसका वध कैसे करूं? कात्यायनी देवी के वचन सुनकर देवतागण सकते में आ जाते हैं। वे देवी से कहते हैं, "यदि आपने इसका वध नहीं किया तो यह सभी लोगों का फिर से नाश कर देगा, आपको उत्पनन करने का समस्त प्रयोजन नष्ट हो जाएगा। आपका भी युद्ध करने का सारा परिश्रम व्यर्थ हो जाएगा। देवताओं का तर्क सुनकर दयामयी देवी कहती है,"देवताओं ना तो मैं इसे मारूंगी, ना छोड़ूंगी। बल्कि सदा इसकी चोटी पकड़कर अपने हाथ में रखूंगी। देवता देवी से सहमत होकर कहते हैं, "इस समय यही उचित लग रहा है और जो तुम्हारे इस रूप की पूजा करेगा उसे तुम्हारा दुर्लभ दर्शन मिलेगा एवं विन्ध्यवासिनी देवी के नाम से आपकी ख्याति होगी। नवरात्रि के सप्तमी या अष्टमी को जो मनुष्य दुर्गा की भक्ति पूर्वक पूजा करेगा वह एक वर्ष तक रोग, भय, तिरस्कार से वंछित रहेगा। यही कारण है कि देवी के प्रत्येक पंडाल में उनकी मूर्ति महिषासुर के साथ अवस्थित है।

मुंद्रा पोर्ट पर हेरोइन की जब्ती के मायने

यह तो होना ही था। ताज्जुब बस यह कि इतनी जल्दी हो गया। अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी और उसके बाद तालिबान का शासन में आना भविष्य के घटनाक्रम का एक इशारा था। अफगानिस्तान की 54ङ्ग आबादी की कमाई गरीबी के अंतरराष्ट्रीय 1.90 डॉलर प्रति दिन से कम है और पर-कैपिटा जीडीपी महज 500 डॉलर। जाहिर है, अफगानिस्तान दुनिया के सबसे गरीब मुल्कों में आता है।मगर तथ्य यह भी है कि अफगानिस्तान के 54 में से 22 राज्य अफीम की खेती करते हैं। वे दुनिया भर में मौजूद 3 करोड़ दस लाख से भी अधिक अफीमचियों के लिए 6,300 टन से ज्यादा अफीम उगाते हैं। तालिबान ने कभी ऐसी चीजों से धन लेने में संकोच नहीं किया, और अब तो उनके पास एक ताकतवर नेटवर्क भी है। 13 सितंबर को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गुजरात के मुंद्रा पोर्ट में दो कंटेनर पकड़े। दोनों कंधार से वाया ईरानी बंदरगाह- बंदर अब्बास आए थे। ड्रग्स एंड क्राइम पर यूएन के अफगानिस्तान अफीम सर्वे 2020 के मुताबिक वहां के 6,600 हेक्टेयर से अधिक इलाके में अफीम की खेती होती है। बंदर अब्बास के एक जहाज को 850 समुद्री मील की दूरी तय कर मुंद्रा पोर्ट पहुंचने में आमतौर पर चार दिन लगते हैं।डीआरआई ने जो खेप पकड़ी, उसे अर्ध प्रसंस्कृत टैल्कम पत्थर बताया गया था, जो सिरेमिक पेंट, कागज, प्लास्टिक वगैरह बनाने में काम आता है। कंधार में ऐसे पत्थरों की खदानें हैं, और भारत इसे अफगानिस्तान सहित कई देशों से मंगाता है। लेकिन इन सुगंधित पत्थरों के बजाए कंटेनरों से 2,988 किलो हेरोइन जब्त की गई। कंटेनरों में ऐसी चीजों का पता लगाना बहुत मुश्किल होता है। भारत 90 लाख से अधिक कंटेनरों को डील करता है। मुंद्रा भारत का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट है, जो अकेले 50 लाख से अधिक कंटेनर डील करता है। विश्व व्यापार संगठन व्यापार सुविधा समझौते में साइन करने के बाद भारत सेल्फ असेसमेंट प्रोसेस अपनाता है, जिसके तहत सामान आयात करने वाले से सारे सामान के बारे में सही-सही बताने की अपेक्षा की जाती है। इस बारे में एक मंत्र है कि भरोसा करें, लेकिन संदेह की स्थिति में सत्यापन करें। एक वैध खेप को जल्दी निकासी पर जोर होता है। ऐसी खेप को आम तौर पर तीन दिनों में मंजूरी दे दी जाती है। मगर इस मामले में डीआरआई को संदेह हुआ, सो बारीकी से जांच का फैसला किया गया जो सही भी साबित हुआ। वैसे मुंद्रा में कंटेनर स्कैनर भी है, लेकिन 20 या 40 फिट के कंटेनर को स्कैन करना, खोलकर सारी खेपों की जांच करना न तो संभव है और न ही इसकी सलाह दी जाती है। इससे देरी होगी और भ्रष्टाचार बढ़ेगा। कहा जाता है कि कंटेनरों की जांच खुफिया सूचना पर आधारित और चुनिंदा होनी चाहिए। जाहिर है कि यह जब्ती विश्वसनीय खुफिया सूचना और बेहतरीन डेटा एनालिसिस पर आधारित थी। इतनी बड़ी तस्करी के लिए कंधार से लेकर बंदर अब्बास, मुंद्रा, विजयवाड़ा और चेन्नै (जहां की आयातक कंपनी है) तक थोक और फुटकर लेवल के कई खिलाड़ियों के बीच घनिष्ठ समन्वय चाहिए। तभी ड्रग्स को बाजार तक पहुंचाया जा सकता है और उससे हुई कमाई का तय हिस्सा वापस कांधार तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा सकता है। पश्चिम में इसके बड़े बाजार हैं और भारत ड्रग्स कारोबारियों का प्रिय मार्ग है। इसलिए यह पता नहीं है कि हेरोइन की इतनी बड़ी खेप वाकई भारत के लिए ही थी या इसे यहां से कहीं और भेजा जाना था।तालिबान के रास्ते क्या है, बंदरगाह कितने अभेद्य हैं और एजेंसियों को कहां निगरानी रखनी है, इन सब सवालों के लिहाज से इस जब्ती का बहुत महत्व है। यह दिखाता है कि भारतीय एजेंसियां इतनी सक्षम हैं कि भूसे के ढेर में सुई का पता लगा सकती हैं।

-नजीब शाह

हरमनप्रीत कौर बोलीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीतनी होगी टी-20 सीरीज

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और फिर एकमात्र डे-नाइट टेस्ट में नहीं खेलने के बाद टीम में शामिल हुई भारत की टी-२० इंटरनेशनल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि उन्हें हर हालत में मेजबान के खिलाफ तीन मैचों की टी-२० सीरीज में जीत हासिल करनी होगी। भारतीय महिला टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज १-२ से हार गई थी, जिसके बाद ऐतिहासिक पिंक बॉल का टेस्ट ड्रॉ रहा था।

हरमनप्रीत अंगूठे की चोट के कारण वनडे और टेस्ट दोनों में नहीं खेल पाई थीं। अब वे इस चोट से उबर चुकी है और टी-२० सीरीज में जीत दर्ज करके इस दौरे का अंत करने के लिए बेताब है। हरमनप्रीत ने गुरुवार को पहले टी-२० इंटरनेशनल मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैं वनडे और टेस्ट में नहीं खेल पाई, लेकिन अगर वनडे और टेस्ट मैच के बीच और समय होता तो मैं चोट से उबरकर खेल सकती थी। लेकिन अब यह बीती बात है।' उन्होंने कहा, 'अब हम मैदान पर जाकर अपना सर्वश्रेष्ठ करके हर हालत में सीरीज जीतना चाहते हैं। ये तीन मैच हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

' हरमनप्रीत ने कहा कि एक दौरे पर सभी तीनों फॉर्मेट में खेलने का मौका मिलना महिला क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है।उन्होंने कहा, 'इससे पहले हम ज्यादातर वनडे और टी-२० ही खेला करते थे, लेकिन अब हमें सभी तीनों फॉर्मेट में खेलने का मौका मिल रहा है जो हमारे लिए अच्छा है। मुझे लगता है कि हर किसी को बराबरी का मौका मिलना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'इस सीरीज से पहले हम करीब एक साल के बाद दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से खेले थे, लेकिन मैं कह सकती हूं कि हम अब अच्छी फार्म में है। हरमनप्रीत ने कहा कि लगातार क्रिकेट खेलने से टीम को हर डिपार्टमेंट में सुधार करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए 'बायो-बबल' में रहकर महामारी के बीच क्रिकेट खेलना मुश्किल था।

कंगारू कप्तान आरोन फिंच ने किया कन्फर्म, टी-20 वर्ल्ड कप में ओपनिंग करेंगे सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान आरोन फिंच ने कहा है कि विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के खराब फॉर्म के कारण मौजूदा आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद टीम से ड्रॉपआउट (बाहर) होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह पर कोई सवालिया निशान नहीं है। फिंच ने बुधवार को यूएई रवाना होने से पहले वॉर्नर के टी-20 वर्ल्ड कप में उनके साथ ओपनिंग करने के सवाल के जवाब में कहा, हां वे उनके साथ ओपनिंग करेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी तैयारी अच्छी है। मुझे पता है कि वह अभी भी ट्रेनिंग ले रहे हैं, इसलिए उनके जाना अच्छा रहेगा।वर्ल्ड कप के लिए कम तैयार होने के लिहाज से वॉर्नर एकमात्र ऐसे खिलाड़ी नहीं है, जिनको लेकर ऑस्ट्रेलिया चिंतित होगा। फिंच खुद हाल ही में घुटने की चोट से उबरे हैं और वर्ल्ड कप में 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के पहले मैच से पहले दो प्रैक्टिस मैचों में उनकी भागीदारी पर संदेह है। कप्तान ने हालांकि पुष्टि की है कि वह न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैचों में खेलने के लिए तैयार है।

ऑस्ट्रेलिया कप्तान ने कहा, जब मैंने पहली बार सर्जरी कराई थी तो उन दो प्रैक्टिस मैचों में खेलने को लेकर संदेह था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मेरी रिकवरी अच्छी तरह से आगे बढ़ी है, इसलिए बहुत अधिक संभावना है कि मैं फिट हो जाऊं और इन मैचों के लिए तैयार हो जाऊं। तीव्रता के संदर्भ में मैं ट्रेनिंग लेने में सक्षम हूं। तेज चलना, धीरे चलना और घुटने पर भार डालना यह सब सच में सही दिख रहा है। मुझे कोई समस्या नहीं।

मैं इन मैचों के लिए अच्छा रहूंगा। उल्लेखनीय है कि वॉर्नर ने सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी और प्लेइंग इलेवन में अपना स्थान पहले ही खो दिया था, लेकिन यूएई में शुरू हुए दूसरे चरण में उन्हें फिर से टीम में जगह दी गई, लेकिन वह दोनों मैचों में क्रमशः जीरो और दो रन बना कर आउट हो गए। इसके अलावा वे एक साल से अधिक समय से टी-20 फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए नहीं खेले हैं, जबकि उन्होंने वेस्ट इंडीज और बांग्लादेश वेज हालिया दौरों से बाहर होने का फैसला लिया था।

वॉर्मअप मैचों के शेड्यूल का ऐलान, टीम इंडिया की इन दो टीमों से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड 2021 का काउंटडाउन शुरू हो गया है। इस बार टूर्नामेंट 19 अक्टूबर से यूएई और ओमान में खेला जाएगा। पहले चरण में 19 अक्टूबर से क्वालीफायर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के मुकाबले 23 अक्टूबर से शुरू होंगे। ग्रुप चरण से पहले टीमों ने अपने लिए कुछ वॉर्मअप मैच मैच निर्धारित किए हैं। शेड्यूल के मुताबिक भारत के वॉर्मअप मैच मैच 8 और 20 अक्टूबर को आयोजित किए जाएंगे। दोनों दिन चार-चार मुकाबले खेले जाएंगे। ये मैच दुबई और अबुधाबी में खेले जाएंगे।

भारत 18 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ पहला वॉर्मअप मैच दुबई में खेलेगा। ये मैच शाम को 7.30 बजे शुरू होगा। टीम इंडिया अपना दूसरा वॉर्मअप मैच 20 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अबुधाबी में खेलेगी। ये मैच दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। टी-20 वर्ल्ड कप टीम के लिए चुने गए सभी खिलाड़ी इस समय आईपीएल 2021 में व्यस्त हैं। आईपीएल 14 का फाइनल 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। भारत टी-20 वर्ल्ड कप में अभियान की शुरुआत 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी।

विराट कोहली की जगह कौन बन सकता है आरसीबी का नया कप्तान, नेहरा ने लिया इस खिलाड़ी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस साल विराट कोहली की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) शानदार प्रदर्शन कर रही है और प्लेऑफ में जगह बना चुकी है। आरसीबी को अभी दो लीग मैच और खेलने हैं और टीम के इससे पहले ही प्लेऑफ में जगह बनाने पर कप्तान विराट फूले नहीं समा रहे हैं। विराट न सिर्फ बल्ले से बल्कि कप्तान के तौर पर भी शानदार दिख रहे हैं। हालांकि आरसीबी के कप्तान के तौर यह यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन है। इसके बाद विराट एक खिलाड़ी के तौर पर टीम से जुड़े रहेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि कप्तान के तौर पर कौन सा खिलाड़ी उनकी जगह लेने के लिए एकदम फिट है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी आशीष नेहरा ने इस मुद्दे पर अपनी राय दी है। सोशल मीडिया पर इस समय विराट को में विराट कोहली की विरासत को आगे ले जाने की क्षमता है। इस मुद्दे पर 'क्रिकबज' से बात करते हुए नेहरा ने कहा, 'देवदत्त पडीक्कल के पास रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने की क्षमता है। अगर टीम लंबे समय के लिए एक खिलाड़ी को कप्तान के तौर पर तलाश रही है तो उन्हें कप्तानी की बागडोर पडीक्कल को सौंपनी चाहिए।'

उत्तराधिकारी के रूप में चार नाम खुलकर सामने आ रहे हैं। ये नाम हैं एबी डिविलियर्स, ग्लेन मैक्सवेल, यजुवेंद्र चहल और देवदत पडीक्कल के। फैन्स की राय है कि इन चारों खिलाड़ियों

आशीष ने कहा कि पडीक्कल उनकी नजर में एकमात्र बेस्ट ऑप्शन हैं। बता दें कि 21 साल के पडीक्कल घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि उनका जन्म केरल में हुआ है। उनके पिता को रोजगार की खातिर कर्नाटक में बसना पड़ा था। पडीक्कल ने पिछले आईपीएल सीजन में डेब्यू किया था और तब से अब तक शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पडीक्कल ने अब तक 26 आईपीएल मैचों में 822 रन बनाए हैं। जिसमें उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 101 रनों का रहा है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के दम पर पडीक्कल इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू भी कर चुके हैं।

कंगारुओं को बड़ी राहत, एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी इंग्लैंड- रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक प्रमुख समाचार पत्र ने कहा है कि इंग्लैंड टीम एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने को राजी हो गई है, जिससे वहां कड़े कोरोना प्रोटोकॉल के बीच उनकी भागीदारी को लेकर लग रही अटकलों पर भी विराम लग गया है। 'द डेली टेलिग्राफ' ने कहा है कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई सरकार के बीच बातचीत सकारात्मक रही। बातचीत के दौरान इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में कड़े कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर चिंता जताई थी। अखबार ने कहा कि जो रूट की अगुवाई में इंग्लैंड के कई खिलाड़ी सीरीज में खेलने की पुष्टि कर चुके हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि जोस बटलर अकेले खिलाड़ी होंगे जो ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे। उन्होंने लंबे समय तक परिवार से दूर रहने को लेकर चिंता जताई थी। स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने क्रिकेट से ब्रेक लिया हुआ है, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर चोटिल हैं। ईसीबी ने सोमवार को कहा था कि टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तभी जाएगी, जब टॉप खिलाड़ी उपलब्ध होंगे। बोर्ड ने कहा था कि इस सप्ताह के आखिर में घोषणा की जाएगी कि दौरा होगा या नहीं। बता दें कि पांच मैचों की टेस्ट सीरीज आठ दिसंबर से 18 जनवरी तक होनी है।

एससीएसटी उपाध्यक्ष ने सुनीं समस्याएं, वृद्धाश्रम का जाना हाल

अखंड भारत संदेश

भदोही। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उपाध्यक्ष राम नरेश पासवान ने आज भदोही का भ्रमण किया। सुबह नौ बजे से ज्ञानपुर गेस्ट हाउस में दूरदराज से आए अनुसूचित जाति के फरियादियों से मिले और उनकी शिकायतों को सुनकर उनका निस्तारण करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

सुनवाई के दौरान एक फरियादी के द्वारा अपने जमीन पर मकान न बनाने पर शिकायत लेकर पहुंचा। इस पर उपाध्यक्ष ने कोतवाली ज्ञानपुर को स्वयं फोन लगाकर फरियादी को तत्काल जमीन पर कब्जा दिलाकर उस को न्याय दिलाने का निर्देश दिया और कहा कि विपक्ष के लोगों पर चेतावनी देते हुए उस पर कड़ी कार्यवाही की जाए। यह भी कहा कि जहां तक हो सके एससी एसटी के जो भी मामले आए उनका तुरंत समाधान किया जाए।

इसके पश्चात् उन्होंने बीजेपी के जिलाध्यक्ष के साथ गोपीगंज के वृद्धाश्रम का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने वहां पर वृद्ध जनों से मिल कर उनका हाल चाल जाना। इसके साथ ही उन्होंने वहां मिल रहे भोजन, रहने के साधन, उनके उपचार के लिए दवाइयां एवं वहां की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जाना। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि वे बीच बीच में आकर सभी वृद्ध जनों का हाल चाल लेते रहे। चौपाल में ग्रामीणों से हुए मुखातिब इसके पश्चात रामनरेश पासवान ने रायपुरी ग्राम में चौपाल में भी भाग लिया। वहां पर उपस्थित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को उनके समस्याओं के बारे में पूछा कि आप लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि नहीं जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन आदि मुख्य है। इस चौपाल में गांव के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। सभी लोगों को रामनरेश पासवान एवं जिलाध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव ने संबोधित किया। बालिकाओं को दें अच्छे संस्कार उन्होंने कहा कि गांव में लडके-लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई में कोई अंतर ना रखें। उनको अच्छे से पढ़ायें, अच्छे संस्कार दें, ताकि समाज में उनको बराबर का दर्जा मिल सके। लड़कियों की शादी 18 वर्ष के ऊपर ही किया जाए। और जहां तक हो सके उन्हें ज्यादा से ज्यादा पढ़ाएं ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र यादव, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक अर्चना सरोज की मनी 12वीं पुण्यतिथि

औराई। स्थित विद्युत उपकेंद्र (पहलवानबीर) धर्मस्थल के समीप बुधवार को भदोही की पूर्व विधायक अर्चना सरोज की 12वीं पुण्यतिथि मनाई गई। सपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सपानेत्री अंजनी सरोज ने कहा कि पूर्व विधायक का जीवन जनसेवा के लिए समर्पित रहा। जिससे अल्प समय में जनता के दिल में जगह बना लिया। मात्र डेढ़ साल के कार्यकाल में उन्होंने दो ओवरब्रीज, कई सड़कों को शासन स्तर से पास कराया। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामला सरोज ने भी उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर लाल सिंह राकेश, राम सिंह, अमर सिंह, रामबली यादव, सूर्यबली, केश नारायण, जादू पाल, लोलारख सरोज, महेंद्र सरोज, अनिल सरोज, पारसनाथ बिंद, बाबा बिंद, अजीत, पप्पू यादव आदि रहे।

24 घंटे के भीतर धरे गए हत्यारोपी

सुरियावां थानाक्षेत्र में भाजपा नेता के भतीजे की हुई थी हत्या

अखंड भारत संदेश

भदोही। मंगलवार की रात भाजपा नेता के भतीजे की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलते ही हडकंप मच गया। उच्चाधिकारियों के साथ कप्तान भी मौकेपर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करने के साथ ही हत्यारोपियों की गिरफ्तारी का भी प्रयास शुरू कर दिया और 24 घंटे के भीतर ही दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।यह मामला सुरियावां थाना क्षेत्र के गल्हैया गांव का है। जानकारी के मुताबिक यहां के निवासी मुकेश सिंह भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। उनका भतीजा विशाल सिंह (24) पुत्र राकेश सिंह बीती रात शौच के लिए जा रहा था। उसी दौरान कुछ लोगों ने घेरकर उसे धारदार हथियार से मार डाला। इस हत्याकांड की जानकारी जैसे ही घर पहुंची, कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे रेफर कर दिया गया, पर विशाल सिंह की जान नहीं बचाई जा सकी।**फरार एक अन्य आरोपी की तलाश जारी**

सूचना मिलने पर सुरियावां पुलिस के साथ ही उच्चाधिकारी पहुंच गए। वारदात की खबरपर नवागत कप्तान ने भी मौका मुआयनाकर हत्यारोपियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया। मामले में पुलिस ने जाल बिछाया और हत्याभियुक्त सुभाष बहादुर सिंह और शिव बालक सरोज को धर दबोचा।

गणित के विद्वान जटाशंकर को मिला सम्मान

अखंड भारत संदेश

भदोही। विनोवा भावे यूनिवर्सिटी ने गणित के प्रोफेसर जटाशंकर सिंह को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया है। जटाशंकर के सम्मानित पर क्षेत्रवासियों समेत गांव के लोगों ने खुशी जाहिर की है। जटाशंकर सिंह जनपद के दुबहा, परसीपुर के रहने वाले हैं।दुबहा, परसीपुर निवासी जटाशंकर सिंह ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1985 में आदर्श कालेज राजधनवार, झारखंड से की थी। एक दशक के उपरांत उनका तबादला गिरीडीह कालेज गिरीडीह, झारखंड में हुआ। यहां पर उन्हे प्रमोशन भी मिला और वह एसोसिएट प्रोफेसर बनाए गए। इसके बाद से जटाशंकर सिंह ने गणित का सरलीकरण कर उसे, उन बच्चों के ग्राह्य बनाया, जिन्हे गणित जैसा सब्जेक्ट कठिन लगता है। उन्होंने अपने करियर में कई उपलब्धियां हासिल कीं। उनके अनुभव और योगदान को देखते हुए आचार्य विनोवा भावे विश्वविद्यालय ने बीते माह सम्मानित किया। जटाशंकर को सम्मान मिलने पर उनके गांव में हर्ष का माहौल है। लोगों ने उनके पैतृक आवास पर जाकर बधाई दी।

कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

चौरी। क्षेत्र के बहुतरा खुर्द गांव में मंगलवार को सायं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान मिर्जापुर जिले की टीम भदोही को हराकर विजेता बन गई। विजेता टीम को नगद सहित अन्य सामान देकर पुरस्कृत किया गया। डिहबाबा स्पोर्टिंग क्लब द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार ने किया। इस दौरान समिति की ओर से मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत करते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। वही मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 30 टीमो ने प्रतिभाग किया। पूरी रात चली प्रतियोगिता में मिर्जापुर की टीम विजेता बनी। फाइनल मैच बुधवार की सुबह गोहिलाव भदोही व मिर्जापुर टीम के बीच खेला गया। जिसमें मिर्जापुर ने 30 अंक की बढ़त बना ली जबकि गोहिलाव भदोही की टीम 11 अंक तक रह गई।

कोविड प्रोटोकोल के दायरे में मनाएं त्योहार : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी और एसपी ने की तैयारियों की समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने शारदीय नवरात्रि, विजयदशमी एवं बारावफात त्योहार सकुशल संपनन करने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि दशहरा पर्व एवं बारावफात त्योहार सरकार द्वारा जारी किए गए गाइड लाइन और नियमों के अनुसार मनाया जाना है। सारे त्योहार न्यूनतम लोगों के साथ मनाए जाएंगे। आयोजकों को इसके लिए प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। आयोजन स्थल पर अधिक भीड़ नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी तरह की तेज ध्वनि या लाउडस्पीकर नहीं बजेगा, जिससे आमजन लोगों को या आसपास के लोगों को किसी तरह की समस्याएं हों। सभी पूजा समिति अपने-अपने पंडालों में सोशल डिस्टेसिंग और सेनिटाइजर की समुचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि पूजा पंडाल में ज्यादा भीड़ भाड़ न हो इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूजा पंडाल लगाने का परमीशन संबंधित एसडीएम से जरूर लें। किसी नई जगह आयोजन नहीं होगा। परंपरागत रूप से जहां आयोजन होता रहा है, वहीं पर आयोजन की अनुमति होगी। उन्होंने बिजली विभाग को सख्त हिदायत दी कि दुर्गा पूजा एवं दशहरा के अवसर पर निर्बाध बिजली रहे और जहां पर जर्जर तार एवं बिजली संबंधित कोई भी समस्या हो, उसे समय रहते पूरा कर लें। सभी अधिशाषी अधिकारी को यह निर्देशित किया कि साफ सफाई एवं प्रकाश की उचित व्यवस्था कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि मूर्ति विसर्जन के लिए नहरों में व्याप्त पानी होना चाहिए। सिंचाई विभाग को निर्देश दिया कि नहरों में पर्याप्त पानी हो जिससे मूर्ति विसर्जन करने में कोई कठिनाई न हो। और गांव में सभी विकास खंड अधिकारियों को कहा गया कि गांव के तालाबों में उचित मात्रा में पानी हो की समुचित व्यवस्था संबंधित खंड विकास अधिकारी देखेंगे।

मूर्ति विसर्जन की भी करें तैयारी

मूर्ति विसर्जन के समय चयनित रास्ते का भ्रमण जरूर करें उसमें जो भी कठिनाई आती है उसे समय रहते पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आयोजन स्थल के पास कम से कम भीड़ हो जिससे आम जनमानस को आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत ना आए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं

पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार ने कहा कि सभी आयोजक वालंटियर की सूची थानों पर अवश्य उपलब्ध करा दें। त्योहारों को सकुशल सम्पनन कराने के लिए पूरी व्यवस्था की गई है, किसी को भी किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। सोशल मीडिया पर भी निगरानी की जा रही है, अफवाह फैलाने वालों पर एफआईआर दर्ज कराकर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जनपद के सभी थाना प्रभारियों को यह निर्देश दिया कि अपने अपने कार्य क्षेत्र में पूजा पंडाल के समितियों के साथ बैठक कर और पूजा पंडाल के क्षेत्रों में भ्रमण करके सुरक्षा का जायजा ले।

लखीमपुर पहुंचे राहुल-प्रियंका, मारे गए किसान के परिवार से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया

लखनऊ, लखीमपुर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बुधवार की शाम लखीमपुर खीरी पहुंच गए। सबसे पहले दोनों नेता पलिया पहुंचे और बवाल में मारे गए किसान लवप्रीत के परिवार वालों से मुलाकात की। पलिया के चौखड़ा फार्म स्थित घर पर दोनों नेताओं ने लवप्रीत के परिजनों से बातचीत की। उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया। इससे पहले दिनभर सरकार और कांग्रेस नेताओं के बीच रार चलती रही। पहले रोक...फिर रजामंदी और इसके बाद फिर रार...। राज्य सरकार और कांग्रेस के बीच चल रही सियासी खींचतान बुधवार को चरम पर पहुंच गई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में सुबह 10 बजे प्रेस कांफ्रेंस की और फिर लखनऊ आने के लिए निकल लिए। दूसरी तरफ, लखनऊ में सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने कानून के तहत कुछ कदम उठाए हैं और विपक्षी पार्टियों से अभी लखीमपुर न जाने का अनुरोध किया है। हालांकि जब तक राहुल लखनऊ पहुंचते, सरकार

ने लखीमपुर जाने की अनुमति दे दी।

देर शाम कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल पलिया के लिए रवाना हो गया। राहुल गांधी बुधवार की दोपहर दो बजे लखनऊ पहुंचे तो सरकार ने अपने तय रूट व व्यवस्था में जाने के लिए कहा। नतीजतन राहुल गांधी ने इनकार कर दिया और अपने नेताओं के साथ एयरपोर्ट के अंदर ही धरने पर बैठ गए। प्रशासन ने अंततः एक घण्टे बाद उन्हें अपनी ही गाड़ी में सीतापुर जाने दिया गया। हवाला दिया गया कि वह उच्च श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त राजनेता है लिहाजा तय रूट ही लेना होगा।

इस बीच राहुल गांधी की एयरपोर्ट पर पुलिस से बहस भी हुई। उन्होंने कहा कि ये कैसी अनुमति है? कह रहे कि आपको पुलिस की गाड़ी से जाना पड़ेगा। ये कुछ न कुछ बदमाशी कर रहे हैं। हम अपनी गाड़ी से जाएंगे। मैं पुलिस की गाड़ी से नहीं जाऊंगा, पता नहीं कहां लेकर जाएं? जब तक मैं एयरपोर्ट से निकल नहीं पाऊंगा मैं यहीं बैठा रहूंगा। ये सोचते हैं कि हम इन लोगों से डरते हैं, हम नहीं डरते। किसानों से बिना मिले नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मसला यह नहीं है कि प्रियंका को बंद करके रखा गया है, मुद्दा यह है कि अपराधियों को नहीं पकड़ा गया। उन्हें जेल नहीं भेजा गया। किसानों को कुचला जा रहा है। राहुल गांधी के साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला भी थे। राहुल कुछ देर वहीं धरने पर बैठे रहे। एयरपोर्ट के बाहर सैकड़ों कांग्रेसी मौजूद थे। वे राहुल-प्रियंका जिंदाबाद और यूपी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे लेकिन करीब एक घंटे तक जब राहुल एयरपोर्ट से नहीं निकले तो कांग्रेसी परेशान हो उठे। नसीमुद्दीन सिद्दीकी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने एयरपोर्ट के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। कांग्रेस जोरदार नारेबाजी करने लगे। इस दौरान उनकी कई बार पुलिस से कहासुनी भी हुई। इससे पहले अंदर राहुल गांधी, भूपेश बघेल व पंजाब के सीएम चन्नी को वीआईपी कक्ष में भोजन भी कराया गया। इस दौरान पुलिस कमिशन्र डीके ठाकुर और डीएम अभिषेक प्रकाश भी मौजूद रहे।

हमने बड़ा ओहदा दिया, धोखा खाने जैसा महसूस होता है, कन्हैया कुमार को लेकर बोले सीपीआई नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीपीआई की नेशनल काउंसिल की बैठक तीन दिनों तक चली और यह 4 अक्टूबर को खत्म हुई है। यूं तो इस बैठक में कन्हैया कुमार को लेकर चर्चा नहीं हुई है लेकिन सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि पार्टी कन्हैया कुमार के कदम को एक धोखे के तौर पर देखती है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी का मानना है कि सीपीआई में शामिल होनने के बाद कन्हैया कुमार को बहुत जल्द बड़ा ओहदा दे दिया गया वो पार्टी के नेशनल एग्जीक्यूटिव बना दिये गये। सीपीआई नेशनल काउंसिल की बैठक में कई नेता शामिल हुए। तीन दिनों तक चली इस बैठक में शामिल होने वाले कई नेताओं का मानना है कि कन्हैया के कांग्रेस ज्वायन करने से वो चकित नहीं है यह उनकी मौकापरस्ती को दिखाता है। सीपीआी के महासचिव डी राजा ने कहा, 'कन्हैया पर कोई चर्चा नहीं हुई। हालांकि, उनके सीपीआई छोड़ कर जाने पर पार्टी के कुछ सहयोगियों ने अपने कमेंट जरुर किये। जैसा की मैंने पहले भी कहा है कि कन्हैया का जाना उनके लक्ष्य का नतीजा था। कोई राजनीतिक

सिद्धांतों को लेकर कोई कमिटमेंट नहीं।' सीपीआई के नेता ने आगे कहा कि हमनें उनको हर मौका दिया। सीपीआई में आते ही हमने उन्हें नेशनल एग्जीक्यूटिव बना दिया और वो विधानसभा चुनाव भी लड़े।

डी राजा ने कहा कि इस बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर, उत्तराखंड, गुजरात और गोवा में होने वाले विधानसभा चुनावों के दौरान हमने अपनी चुनावी तैयारियों पर चर्चा की। सीपीआई की तरफ से यह भी कहा गया है कि वो बीजेपी-आरएसएस के खिलाफ कैंपेन बढ़ाने पर फोकस करेगी।

बता दें कि कन्हैया कुमार ने 28 सिंतबर को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल का हाथ थाम लिया था। इस पर भाकपा के महासचिव डी राजा ने कहा था कि जेएनयू के पूर्व नेता छात्र नेता कन्हैया कुमार खुद भाकपा छोड़कर चले गए और कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने आरोप लगाया था कि कन्हैया कुमार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के नेतृत्व के साथ ईमानदार नहीं थे और पार्टी से अपनी मांगों में स्पष्ट भी नहीं थे।

'आपसी खेला' खेल रहे पीएम मोदी और ममता, बोले अधीर रंजन; अपने नेताओं को बचाने के लिए पीएम के सामने दीदी ने झुका लिया है सिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच समझौता हो गया है। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी और ममता बनर्जी 'आपसी खेला' खेल रहे हैं। इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल की सीएम और देश के पीएम को घेरते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि ममता बनर्जी ने पीएम के सामने सिर झुका दिया है ताकि वो जांच एजेंसियों से अपनी पार्टी के नेताओं को बचा सकें।

एक बातचीत में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा,' इसपर संदेह है कि दीदी और मोदी के बीच अब एक सीक्रेट समझौता है। उन्होंने मोदी के सामने अपना सिर झुका दिया है ताकि वो सीबीआई और ईडी से अपने पार्टी

नेताओं को बचा सकें...कुछ तो समझौता जरुर है।' अधीर रंजन चौधरी ने अपनी बात रखते हुए आगे कहा कि पीएम मोदी और ममता बनर्जी 'आपसी खेला' खेल रहे हैं। लखीमपुर खीरी कांड का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने प्रियंका गांधी को हिरासत में लिये जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी लखीमपुर खीरी की घटना में मरे लोगों के परिजनों से मिलना चाहती थीं। उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी मानता हूं कि राजनीति में कुछ राजनीतिक शिष्टाचार भी होना चाहिए।

लखीमपुर में माहौल बनाने में कैसे चूके अखिलेश यादव, बाजी मार ले गई प्रियंका गांधी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में रविवार को भाजपा नेताओं के काफिल की कार से किसानों के कुचले जाने और फिर हिंसा में 4 अन्य लोगों के मारे जाने का मुद्दा यूपी की सियासत को गरमा रहा है। यही नहीं इस मामले ने अब तक कमजोर दिख रही कांग्रेस को एक तरह से राजनीतिक संजीवनी प्रदान की है। 2017 से ही प्रियंका गांधी को पश्चिमी यूपी का प्रभारी बनाया गया था।

तब से ही वह इस इलाके में सक्रिय थीं, लेकिन ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है, जब वह मजबूती के साथ चर्चा में भी हैं। यही नहीं प्रियंका गांधी को लखीमपुर जाने से रोकने, गिरफ्तार करने की भी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई है। महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी से लेकर कश्मीर में महबूबा मुफ्ती तक ने उनका समर्थन किया है। इसके अलावा अब तक कई पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में आंतरिक कलह से जूझ रही कांग्रेस को भी वह एकजुट करने में कामयाब रही हैं। पंजाब के नए

बने सीएम चन्नी से लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल तक एक्टिव नजर आए हैं और राहुल गांधी के साथ लखीमपुर खीरी पहुंच रहे हैं। प्रियंका की सक्रियता ने राहुल गांधी को भी ताकत प्रदान की है, जो बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए तो आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे थे। यही नहीं दो मुख्यमंत्रियों के साथ वह लखनऊ पहुंचे और जब अपनी गाड़ी से निकलने की परमिशन नहीं मिली तो धरने पर बैठ गए। आखिर में अपनी ही गाड़ी से निकलने की परमिशन भी मिल गई।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो लखीमपुर खीरी में कांग्रेस के सक्रिय होने की एक वजह दो राज्यों में फायदा मिलने की संभावना भी है। दरअसल लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बहराइच और हरदोई समेत तराई इलाके के कई जिलों में सिखों की अच्छी खासी आबादी है। भाजपा नेताओं की कार से कुचलकर मरने वाले किसान भी सिख समुदाय से ही ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में कांग्रेस लखीमपुर में एक्टिव रहकर यह संदेश देना चाहती है कि वह सिख समुदाय के हितों के लिए तत्पर है। यही वजह है कि उसने अपने पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी को भी साथ लिया है। यहां तक कि पंजाब सरकार ने मारे गए किसानों के परिजनों के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे का भी ऐलान किया है। इतनी ही रकम देने की घोषणा छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने भी की है।

एक तरफ लखीमपुर मामले से प्रियंका यूपी की सियासत में अचानक चर्चा में आ गई हैं तो वहीं मुख्य विपक्षी दल कहे जाने वाली सपा और उसके नेता अखिलेश यादव माहौल बनाने में नाकामयाब दिखे हैं। इससे यह संदेश भी जा सकता है कि अखिलेश यादव आम लोगों के हितों के लिए सड़क पर उतरने में बहुत आगे नहीं हैं। अब भाजपा के नजरिए से देखें तो यूपी में यह उसके लिए फायदेमंद ही है। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस के पास मजबूत संगठन नहीं है और वह चर्चा में रहने के बाद भी माहौल को इतने वोटों में तब्दील नहीं कर पाएगी कि जीत हासिल कर सके। वहीं जो भी वोट वह हासिल करेगी, उससे सपा का ही नुकसान होगा।

'अच्छे कपड़ें खरीद लें केजरीवाल', चन्नी की सलाह पर ए के ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री के कपड़ों पर कमेंट करने वाले पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को दिल्ली के सीएम ने जवाब दिया है। केजरीवाल ने चन्नी से कहा कि उन्हें भले उनके कपड़े पसंद नहीं है, लेकिन जनता को पसंद है। आम

आदमी पार्टी (आप) नेता को कुछ वादे याद दिलाए और उन्हें पूरा करने की नसीहत दी। चन्नी ने टीवी न्यूज चैनल एबीपी सांझा को दिए इंटरव्यू में कहा था कि किसी को आप नेता को 5 हजार रुपए देने चाहिए, जिससे वे अच्छे कपड़े खरीद लें। चन्नी ने कहा, ''क्या आपके पास 5000 रुपए हैं? हर किसी के पास हैं। उन्हें (केजरीवाल) को भी दे दीजिए। कम से कम उन्हें अच्छे कपड़े खरीदने चाहिए। उनका वेतन 250,000 रुपए हैं, क्या वह अच्छे कपड़े नहीं खरीद सकते हैं। केजरीवाल ने ट्विटर पर इसका जवाब देते हुए लिखा, ''चन्नी साहिब, आपको मेरे कपड़े पसंद नहीं। कोई बात नहीं। जनता को पसंद है। कपड़े छोड़ो। ये वादे कब पूरे करोगे? 1. हर बेरोज़गार को रोज़गार कब दोगे। 2. किसानों के कर्जे कब माफ करोगे। 3. बेअदबी के दोषियों को जेल क्यों नहीं भेजते। 4. दागी मंत्रियों, एमएलए और अफसरों पर ऐक्शन कब लोगे। आम आदमी पार्टी इस समय पंजाब में मुख्य विपक्षी पार्टी है और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से सत्ता छीनने को पूरा दमखम लगा रही है। 2017 में पंजाब विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनाव लड़ने वाली पार्टी ने 117 में से 20 सीटों पर कब्जा कर लिया था। कांग्रेस को पिछली बार 77 सीटें मिली थीं। पिछले महीने केजरीवाल दो दिन के दौरे पर पंजाब गए थे।

लखीमपुर खीरी हिंसा का सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, कल सुनवाई करेगी सीजेआई की बेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखीमपुर में हुई हिंसा का सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस सूर्य कांत और हीमा कोहली की बेंच कल इस मामले पर सुनवाई करेगी। रविवार को यहां हुई हिंसा में 4 किसानों सहित 9 लोगों की मौत हो गई थी। किसानों का आरोप है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा ने किसानों को गाड़ी से कुचलकर मार डाला, जबकि मंत्री और उनके बेटे का दावा है कि वह मौके पर मौजूद नहीं थे। गुस्साए किसानों ने इसके बाद तोड़फोड़ और आगजनी की। केंद्रीय मंत्री के ड्राइवर के अलावा बीजेपी के 3 कार्यकर्ताओं की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। कवरेज के दौरान घायल हुए एक पत्रकार ने भी अगले दिन दम तोड़ दिया। यूपी पुलिस ने किसानों की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर केंद्रीय मंत्री के बेटे के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है तो वहीं मौके से भागकर जान बचाने वाले बीजेपी नेता सुमित ने भी अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दी है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

भाजपा से जुड़े लोगों ने आर्यन खान और अरबाज को हिरासत में लिया, एनसीपी ने लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग्स केस में हिरासत में लिए जाने के मामले में एनसीपी ने भाजपा पर हमला बोला है। बुधवार को एनसीपी ने कहा कि आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट को मुंबई स्थित एनसीबी दफ्तर में प्राइवेट लोग लेकर पहुंचे थे। एनसीपी ने कहा कि जो दो लोग इन्हें लेकर पहुंचे थे, उनमें से एक भाजपा का कार्यकर्ता था और दूसरा एक फ्रॉड था, जो खुद के प्राइवेट डिटेक्टिव होने का दावा करता है। एनसीपी के प्रवक्ता नवाब मलिक ने एनसीबी पर सवाल उठाते हुए कहा कि

आखिर कैसे वह इतने हाईप्रोफाइल लोगों को अपने दफ्तर लेकर गई। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा से भी सवाल पूछा कि आखिर वे दो लोग कौन थे, जो आर्यन और मर्चेंट को लेकर एनसीबी के दफ्तर पहुंचे थे। यही नहीं नवाब मलिक ने दो वायरल वीडियो क्लिप्स भी दिखाए, जिनमें से एक में केपी गोसावी आर्यन खान को एनसीबी के दफ्तर में ले जाते दिख रहे हैं। इसके अलावा दूसरी क्लिप में मनीष भानुशाली दिख रहे हैं, जो अरबाज मर्चेंट को एनसीबी दफ्तर ले जाते दिख रहे हैं। दक्षिण मुंबई स्थित एनसीपी दफ्तर में मीडिया से बात करते हुए नवाब मलिक ने कहा, 'मर्चेंट को लेकर एनसीबी दफ्तर पहुंचने वाले भानुशाली भाजपा के कार्यकर्ता हैं। यही नहीं उन्होंने अपने फेसबुक प्रोफाइल में खुद को भाजपा उपाध्यक्ष बताया है। पीएम नरेंद्र मोदी, होम मिनिस्टर अमित शाह, बीजेपी चीफ जेपी नड्डा समेत कई सीनियर नेताओं के साथ भानुशाली की तस्वीरें हैं। नवाब मलिक ने दावा किया कि 21 सितंबर को मनीष भानुशाली दिल्ली में थे और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर रहे थे। इसके बाद गुजरात के गांधीनगर गए और वहां कुछ दिन रुके थे। इसी दौरान उन्होंने गुजरात के कुछ मंत्रियों से मुलाकात की थी। फिर 1 अक्टूबर को मुंबई वापस आया और 2 तारीख को रेड डाली गई। यह वही टाइम था, जब गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर बड़े पैमाने पर ड्रग्स पकड़ा गया था। नवाब मलिक ने कहा कि एनसीबी के साथ मिलकर भाजपा महाराष्ट्र को बदनाम करने का काम कर रही है।

मलेरिया से बचाने वाली दुनिया की पहली वैक्सीन को डब्लूएचओ की मंजूरी, हर साल जाती है 4 लाख लोगों की जान

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया की पहली मलेरिया वैक्सीन के बच्चों पर व्यापक इस्तेमाल की सिफारिश की है। डब्लूएचओ ने इसे विज्ञान, बच्चों के स्वास्थ्य और मलेरिया नियंत्रण के लिए बड़ी उपलब्धि करार दिया है। घाना, केन्या और मालावी में 2019 में शुरू हुए पायलट प्रॉजेक्ट के नतीजों के बाद आरटीएस, एस/ए01 मलेरिया वैक्सीन की सिफारिश की गई है। मलेरिया वैक्सीन की सिफारिश को लेकर आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में डब्लूएचओ के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस अधानोम ने कहा कि मलेरिया को रोकने के मौजूदा उपायों के साथ इस वैक्सीन के इस्तेमाल से हर साल हजारों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

डब्लूएचओ प्रमुख ने कहा, ''यह एक शक्तिशाली नया हथियार है, लेकिन कोविड-19 वैक्सीन की तरह, यह एकमात्र उपाय नहीं है। मलेरिया के खिलाफ वैक्सीन मच्छरदानी या बुखार में देखभाल जैसे उपायों की जगह नहीं लेता या उनकी आवश्यकता को कम नहीं करता है।'' मलेरिया शोधकर्ता के रूप में अपने शुरुआती करियर को याद करते हुए टेड्रोस ने कहा कि वह इस दिन के लिए तरस रहे थे

कि दुनिया में इस ठप्राचीन और भयानक बीमारीठ के खिलाफ एक प्रभावी टीका होगा। उन्होंने कहा, ''आज वह दिन आ गया है, यह ऐतिहासिक दिन है। मलेरिया संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। मच्छर जनित इस बीमारी के होने पर बुखार, ठंड लगने, सर्दी जैसे लक्षण होते हैं। सही इलाज के बिना मरीजों की स्थिति बिगड़ सकती है और जान भी जा सकती है। यूएन की एजेंसी के मुताबिक, 5 साल से कम के बच्चे इसके सबसे अधिक शिकार होते हैं। टेड्रोस ने कहा कि मलेरिया के खिलाफ पिछले दो दशक में दुनियाभर में काफी प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी हर साल 20 करोड़ लोग इसकी चपेट में आते हैं और 4 लाख की मौत हो जाती है।

आईएसआई चीफ फैज हमीद का तबादला, नदीम अहमद अंजुम बने नए प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद का तबादला कर दिया गया है। उन्हें पेशावर कोर कमांडर के रूप में तैनात किया गया है। यह जानकारी पाकिस्तान सेना के मीडिया विभाग ने दी है। लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम घ्घ् के नए महानिदेशक बनाए गए हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अंजुम पहले कराची कोर के कमांडर थे। उन्हें सितंबर 2019 में लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोनन्त किया गया था। बता दें कि घ्घ् के महानिदेशक की नियुक्ति प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है। हालांकि पीएम द्वारा सेना प्रमुख के परामर्श से स्पाईमास्टर का चुनाव किया जाता है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान में दो अन्य पोस्टिंग की घोषणा की है।

सीआईए ने माना, उनके कई मुखबिर पकड़े और मारे गए, ईरान और रूस जैसे देशों पर शक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टॉप अमेरिकी काउंटर इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने पिछले हफ्ते खुफिया एजेंसी एफ्बीई के हरेक बेस का विश्लेषण करने के बाद चेतावनी जारी की थी कि अमेरिका के लिए जासूसी करने वाले लोग पकड़े जा रहे हैं या मारे जा रहे हैं। सीआईए के काउंटर-इंटेलिजेंस मिशन सेंटर ने पिछले कई सालों में ऐसे दर्जनों मामलों को देखा है जिनमें विदेशी मुखबिर को गिरफ्तार किया गया या मार दिया गया।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट बताती है कि रूस, चीन और ईरान जैसे देशों में सीआईए के मुखबिरों का शिकार किया जा रहा है। कई केस में ये एजेंट दूसरे देश से मिलकर डबल एजेंट बन गए। इसके पीछे का कारण खराब ट्रेडक्राफ्ट, सोर्सेज पर बहुत अधिक भरोसा करना, विदेशी खुफिया एजेंसियों को कम आंकना और मुखबिरों की भर्ती पर कम ध्यान देना बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सीआईए ने अपने एक मेमो में कहा कि जासूस अपने सूत्रों पर बहुत ज?यादा भरोसा न करें और विदेशी खुफिया एजेंसियों को कम मानकर न चलें। एक पूर्व अधिकारी ने मामले को लेकर कहा है कि मुखबिरों का नुकसान कोई नई समस्या नहीं है लेकिन लगातार मुखबिरों का पकड़ा जाना चिंता का विषय है। कई बार चीज़ें हमारे नियंत्रण में नहीं होती हैं लेकिन कई बार हम लापरवाही करते हैं जिसके बचने की जरूरत है।

सीआईए का मानना है कुछ अमेरिकियों ने ईरान और चीन को उसके एजेंटों के बारे में सूचना दी जिससे ये जासूस उनकी पकड़ में आए। विदेशी खुफिया एजेंसियां एआई, बायोमेट्रिक्स, हैकिंग आदि तकनीक का इस?तेमाल करक सीआईए अधिकारियों पर नजर रख रहे हैं जिससे मुखबिर पकड़ में आ रहे हैं। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के आने से सीआईए परेशान है क्योंकि अब उन्हें अफगानिस्तान में खुफिया जानकारियां जमा करने में और मुश्किल होगी। ऐसे में सीआईए पर पाकिस्तान में मुखबिरों के नेटवर्क को और मजबूत बनाने का दबाव है। इसके साथ ही चीन और रूस जैसे देशों से भी अमेरिका को लगातार चुनौती दी जा रही है। ऐसे में नेटवर्क बनाना और सोर्सेस की रक्षा करना पहले से अधिक महत्वपूर्ण है। पूर्व अधिकारियों का मानना है कि ईरान और चीन जैसे देश में वहां की खुफिया एजेंसियां सीआईए द्वारा इस्तेमाल की जा रही क्लासिफाइड कम्युनिकेशन सिस्टम तक पहुंच चुकी हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि कई बार मिशन पर फोकस इतना बढ़ जाता है कि सुरक्षा उपाय पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता है और इसी का नतीजा है कि सोर्सेस पकड़े जाते हैं। कई केस में डबल एजेंट घातक साबित होते हैं।

दुनिया पर मंडराता जल संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन की वजह से बाढ़, सूखा समेत अन्य जल-संबंधी जोखिमों में बढ़ोतरी हो रही है और आबादी के साथ मांग बढ़ने व जल उपलब्धता में कमी से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ने की आशंका है.यूएन मौसम विज्ञान एजेंसी (डब्लूएमओ) ने मंगलवार को ठद स्टेट ऑफ क्लाइमेट सर्विसेज 2021: वॉटर नाम की अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि 2018 में विश्व स्तर पर 3.6 अरब लोगों के पास प्रति वर्ष कम से कम एक महीने पानी की अपर्याप्त पहुंच थी और 2050 तक यह संख्या पांच अरब से अधिक होने की संभावना है. रिपोर्ट में कहा गया है, ठस्थिति इस तथ्य से खराब हो रही है कि पृथ्वी पर केवल 0.5 प्रतिशत पानी ही उपयोग योग्य और उपलब्ध ताजा पानी हैठ डब्लूएमओ के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 20 सालों में पानी से संबंधित खतरों की आवृत्ति में वृद्धि हुई है. 2000 के बाद से बाढ़ से संबंधित आपदाओं में पिछले दो दशकों की तुलना में 134 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि के दौरान सूखे की संख्या और अवधि में भी 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. अधिकांश सूखे से संबंधित मौतें अफ्रीका में हुईं, जो उस क्षेत्र में सूखे के लिए मजबूत एंड-टु-एंड चेतावनी प्रणाली की आवश्यकता का संकेत देती हैं।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025